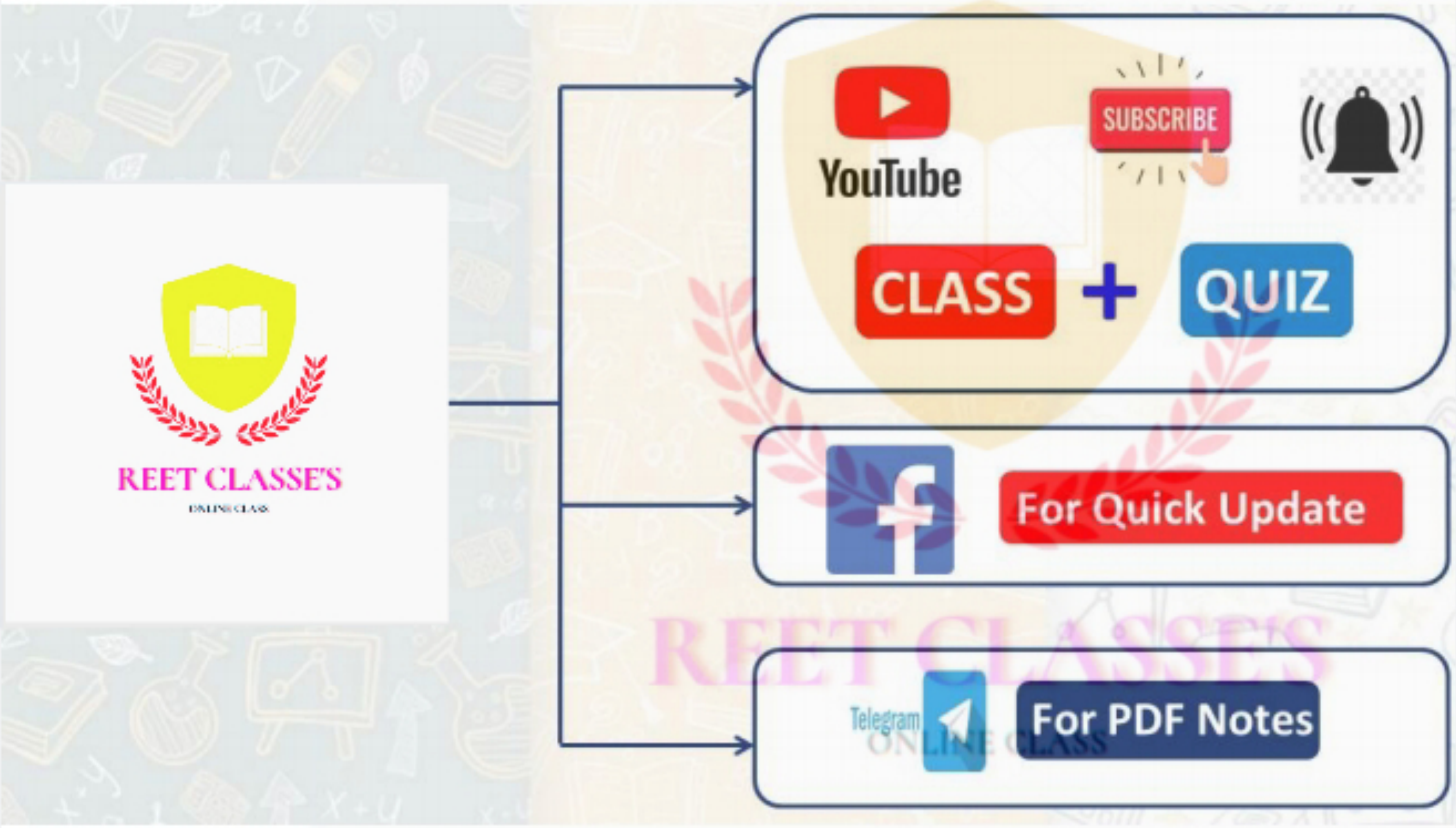
REET CLASSE'S
ONLINE CLASS
YouTube
SUBSCRIBE
CLASS
+
QUIZ
For Quick Update
Telegram
For PDF Notes

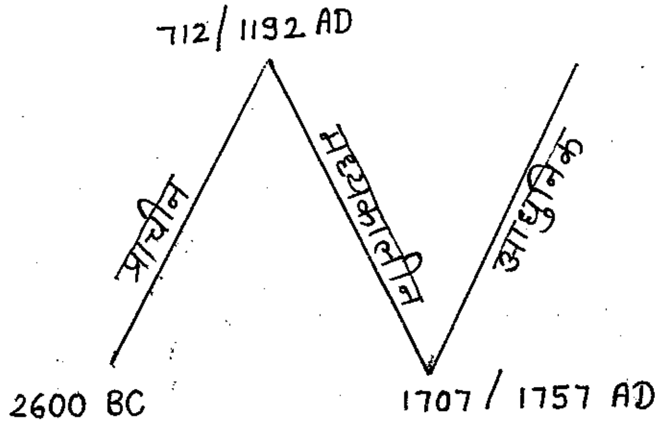

भारतीय इतिहास को सर्वप्रथम इतिहासकार मील ने 3 भागों में विभाजित किया।

<u>कालानुक्रम</u> :-

1.	सिन्धु घाटी सभ्यता	2600 - 1900 BC
2.	उत्तर हड़प्पा काल / अंधकारमय युग	1900 - 1500 BC
3.	ऋग्वैदिक काल	1500 - 1000 BC
4.	उत्तर वैदिक काल	1000 - 600 BC
5.	महाजनपद काल	600 - 322 BC
6.	मौर्य काल	322 - 185 BC
7.	मौर्योत्तर काल	185 - 319 AD
8.	गुप्त काल	319 - 550 AD
9.	हर्षवर्धन	606 - 647 AD
10.	राजपूत काल / पूर्व मध्यकाल	750 - 1000 AD
11.	सल्तनत काल	1192 - 1526 AD
12.	मुगलकाल	1526 - 1707 / 1857 AD
13.	आधुनिक भारत	1707 - 1947

मध्यकालीन भारत

इस्लाम का उदय :-

→ संस्थापक = मोहम्मद साहब

→ जन्म = 570 AD

→ जन्मस्थान = मक्का

→ पिता = अब्दुल्ला

→ माता = आमिनाह / अमीना

→ चाचा = अबु तालीब (मोहम्मद साहबका पालन-पोषण किया)

→ कबीला = कुरेश / कुरेशी

→ इनका परिवार पुजारी परिवार था।

→ पत्नी = खदीजा

→ हीरा नामक पहाड़ी पर मोहम्मद साहब को ज्ञान की प्राप्त हुई।

→ इनका परिवार पहले अल्लाह की बेटियों को पूजता था।

Note :- सलमान रूश्दी = द सेटेनिक वर्सेज

→ 622 AD में मोहम्मद साहब मदीना चले गए, यह घटना हिजरत कहलाती है। हिजरी संवत् आरम्भ हो गया।

→ 630 AD :- मक्का पर आक्रमण।

→ 632 AD :- मोहम्मद साहब की मृत्यु

→ मोहम्मद साहब मुसलमानों के धार्मिक तथा राजनैतिक प्रमुख थे।

→ मोहम्मद साहब के उत्तराधिकारी को खलीफा कहा जाता है एवं उसके साम्राज्य को खिलाफत कहा जाता है।

→ 4 खलीफा :-

(i) अबु बक्र	[632 - 634]	सुन्नी
(ii) उमर	[634 - 644]	सुन्नी
(iii) उस्मान	[644 - 656]	सुन्नी
(iv) अली	[656 - 661]	→ शिया

→ अली के पुत्र हुसैन की हत्या करबला के मैदान में कर दी गई।

→ उम्मैयद वंश

→ अब्बासी वंश

* इस्लाम का स्वर्णकाल

* हलाकु ने 1258 में अब्बासी खलीफा की हत्या कर दी [मंगोलियन नेता]

→ उस्मानी वंश

→ ऑटोमन साम्राज्य

→ 1924 में मुस्तफा कमाल पाशा ने खलीफा पद को समाप्त कर दिया।

अंग्रेजों ने सम्पूर्ण ब्रिटिश भारत में
1830 में सती प्रथा पर प्रतिबन्ध लगाया।

अरब आक्रमण

→ भारत में मुस्लिमों का आगमन :-

1. अरब
2. तुर्क
3. अफगान

→ प्रथम अरब आक्रमणकारी = मोहम्मद बिन कासिम

→ श्रीलंका के शासक ने खलीफा (वलीद) के लिए कुछ उपहार भेजे जिन्हें देवल नामक बन्दरगाह पर समुद्री लुटेरों ने लूट लिया।

→ सिन्ध के शासक दाहिर ने सहायता करने से मना कर दिया।

→ खलीफा ने ईरान के शासक अल हज्जाज को भारत पर आक्रमण करने हेतु कहा।

→ 712 AD : मोहम्मद बिन कासिम ने सिन्ध को जीत लिया।

→ मोहम्मद अल हज्जाज का भतीजा / दामाद था।

→ बौद्ध भिक्षुओं ने मोहम्मद बिन कासिम की सहायता की थी।

→ मोहम्मद बिन कासिम ने पहली बार सिन्ध में जजिया कर लागू किया।

<u>जजिया कर</u> :-

यह राजनीतिक कर होता है जो गैर-मुसलमानों पर लगाया जाता है।

→ मोहम्मद बिन कासिम ने सिन्ध में मकतब (प्राथमिक शिक्षा केन्द्र) स्थापित किए।

→ इस आक्रमण की जानकारी 'चचनामा' से मिलती है।

→ चच दाहिर के पिता का नाम था।

→ चचनामा : लेखक = अज्ञात

→ दाहिर एवं जयसिंह लड़ते हुए मारे गए।

→ आक्रमण का वास्तविक कारण :
भारत की आर्थिक संपन्नता

→ अरबों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया लेकिन गुर्जर प्रतिहारों ने अरबों को पराजित किया।

आक्रमण के प्रभाव :-

① सांस्कृतिक समन्वय :-

(a) पंचतन्त्र का अरबी में अनुवाद किया गया एवं उसका नाम 'कलीला वा दिमना' रखा गया।

(b) चरक संहिता का अरबी में अनुवाद किया गया।

(c) ब्रह्मगुप्त की पुस्तकों का अरबी में अनुवाद किया गया।

ब्रह्मस्पुट सिद्धान्त = अल सिन्ध हिन्द

खण्डन खाद्य = अल अरकन्द

(d) अरबों ने भारतीय दशमलव प्रणाली ग्रहण किया। इसे अरब देशों में हिन्दसा कहा जाता है।

* इसे अल ख्वारिज्मी ने अरब देशों में प्रसिद्ध किया।

* यूरोप में इसे अरबी संख्या पद्धति कहा जाता है।

② व्यापार वाणिज्य में वृद्धि

तुर्क आक्रमण

→ तुर्क मध्य एशियाई बर्बर जाति थी।

→ तुर्कों ने गाजी उपाधि को प्रसिद्ध किया।

अलप्तगीन :- तुर्क साम्राज्य का संस्थापक

↓

सुबुक्तगीन :- भारत पर आक्रमण करने वाला प्रथम तुर्क

↓

महमूद गजनवी :- यह सुबुक्तगीन का बेटा था।

* इसने सीस्तान के शासक खलफ बिन अहमद को पराजित किया।
* खलीफा ने इसे सुल्तान की उपाधि प्रदान की।
* यह प्रथम मुसलमान था जिसने सुल्तान की उपाधि धारण की।

उपाधि = बुतशिकन (मूर्तिभंजक)

→ खलीफा के समक्ष हिन्दुस्तान पर प्रतिवर्ष आक्रमण करने का प्रण लिया

→ इसने भारत पर 17 आक्रमण किए।

→ 1000 AD - वैहिन्द पर आक्रमण

* जयपाल को पराजित किया व जयपाल ने आत्महत्या कर ली।

1009 AD - नारायणपुर (अलवर)

1014 AD - थानेश्वर (हरियाणा)

1016 AD - कश्मीर → असफल आक्रमण

1018-19 AD - कन्नौज एवं मथुरा

1025 AD - प्रभासपट्टन (सोमनाथ)

* सबसे सफल आक्रमण
* वापस लौटते समय कच्छ व सिन्ध का रास्ता लिया था।

1027 AD - जाटों के विरुद्ध अभियान

* अन्तिम अभियान

1030 AD - गजनवी की मृत्यु

दरबारी विद्वान :-

1.	उत्बी	किताब उल यामिनी
2.	बैहाकी	तारीख ए सुबक्तगीन
		तारीख ए मसुदी

* लेनपुल ने बैहाकी को पूर्व का पेप्स कहा है।

Imp.

3.	फिरदौसी	शाहनामा (ईरान का National epic)

mains

4.	अल बिरूनी / बरूनी	तहकीक ए हिन्द / किताब उल हिन्द (अरबी भाषा)

* ख्वारिज्मी का निवासी था।
* इसे फारसी, अरबी, तुर्की भाषाओं का ज्ञान था।
* यह दर्शनशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, खगोलशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान का ज्ञाता था।
* कन्नौज आक्रमण के समय भारत आया।
* भारत में संस्कृत एवं ज्योतिष शिक्षा का ज्ञान प्राप्त किया [बनारस में]
* अपनी पुस्तक में सती प्रथा, वर्ण व्यवस्था तथा जाति प्रथा का वर्णन करता है।
* भारतीयों को विद्वान बताता है लेकिन भारतीयों को कूप मंडूक बताता है।

मोहम्मद गौरी

राजधानी = गजनी

अन्य नाम = मो. बिन साम

* इसका सम्बन्ध गौर प्रान्त से था इसलिए गौरी कहलाया
* इसका गजनवी के साथ कोई सम्बन्ध नहीं था।

→ 1175 AD - मुल्तान अभियान

1178 AD - गुजरात अभियान

* शासक = मूल II / भीम II (गुजरात)
* इसकी माँ नायिका देवी इसकी संरक्षिका थी।
* नायिका देवी को गौरी को बुरी तरह पराजित किया।
* भीम II की राजधानी = अन्हिलपाटन

1191 AD - तराइन का प्रथम युद्ध

* पृथ्वीराज चौहान V/s गौरी
  ↓
  पराजित

1192 AD - तराइन का द्वितीय युद्ध

पृथ्वीराज चौहान V/s गौरी
↓
जीत गया

* इस समय दिल्ली का शासक गोविन्द III था।

1194 AD - चन्दावर का युद्ध

गौरी V/s जयचन्द गहड़वाल (कन्नौज)
↓
जीत गया

→ गौरी ने ऐबक को विजित क्षेत्रों का गवर्नर नियुक्त किया एवं गजनी चला गया।

→ 1205 AD - खोखरों के विरुद्ध अभियान

→ गौरी घायल हो गया एवं 1206 में उसकी मृत्यु हो गई।

→ गौरी ने मोहम्मद बिन साम नाम के सिक्के चलाए जिन्हें देहलीवाल सिक्के कहा जाता है।

→ सिक्कों पर देवी लक्ष्मी का चित्र मिलता है।

सल्तनत काल

ममलुक वंश / गुलाम वंश :- [1206 - 1290]

कुतबुद्दीन ऐबक :- [1206 - 10]

→ ऐबक का शाब्दिक अर्थ = चन्द्रमा का स्वामी

→ उपाधियाँ -

① कुरान खाँ

② लाखबख्श

③ हातिम II

→ इसने सुल्तान की उपाधि धारण नहीं की।

→ इसने अपने नाम के सिक्के नहीं चलवाए।

→ अपने नाम का खुत्बा नहीं पढ़वाया।

→ अपने विरोधियों के साथ वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किए।

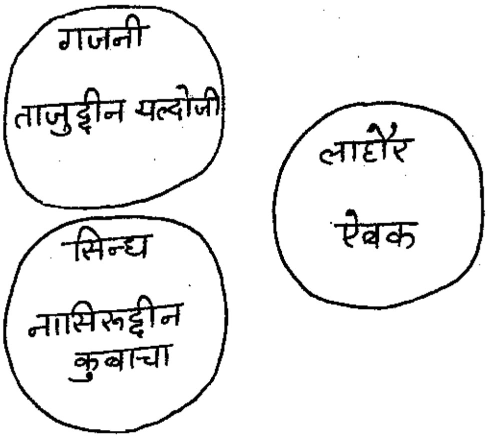

→ 1208 में गौरी के उत्तराधिकारी गयासुद्दीन ने इसे दासता से मुक्त किया।

→ 1210 में लाहौर में ऐबक की चौगान (Polo) खेलते हुए मृत्यु हो गई।

10. <u>आरामशाह</u> [1210-11]

<u>इल्तुतमिश</u> [1211-36]

→ यह इल्बरी तुर्क था।

→ यह बदायू (UP) का गर्वनर था।

→ ऐबक का दामाद था।

→ इसने तुर्कान ए चिहलगानी / चहलगानी का गठन किया।

→ इसे चालीसा दल भी कहा जाता है।

→ इसने दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया।

→ यह दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक था।

→ इसने इक्ता व्यवस्था को आरम्भ किया [काम के बदले भूमि देना (जागीरदारी, सूबेदारी)]

→ इसने अरबी पद्धति पर दो सिक्के चलाए -

1. चाँदी का = टंका
2. ताँबे का = जीतल

→ तराइन का तृतीय युद्ध - 1216

इल्तुतमिश V/s ताजुद्दीन यल्दोजी

* इसने यल्दोजी को पराजित किया।

→ इसने कुबाचा को कई बार पराजित किया।

→ कुबाचा सिन्धु नदी में डूबकर मर गया।

→ 1221 - जलालुद्दीन मंगबरनी का पीछा चंगेज खान कर रहा था।

* इल्तुतमिश ने मंगबरनी की कोई सहायता नहीं की।

* उसने अपने साम्राज्य को मंगोल आक्रमण से बचा लिया।

→ 1229 - खलीफा से सुल्तान की उपाधि धारण की।

→ अपने पुत्र नासिरूद्दीन को उत्तराधिकारी घोषित किया।

→ नासिरूद्दीन की मृत्यु लड़ते हुए बंगाल में हुई।

→ इसने रजिया को उत्तराधिकारी घोषित किया।

→ ग्वालियर अभियान के समय रजिया के नाम के सिक्के चलाए।

→ ग्वालियर अभियान के समय बलबन को खरीदा।

→ 1236 - मृत्यु

* सुल्तान = खलीफा का प्रतिनिधि

* बादशाह = स्वयंभू एवं स्वतन्त्र शासक

रुकनुद्दीन फिरोज [1236] :-

→ यह आलसी प्रवृत्ति का था।

→ वास्तविक शक्तियाँ इसकी माँ शाह तुर्कान के पास थी।

→ शाह तुर्कान निरंकुश थी।

→ रजिया जनता की सहायता से शासिका बनी।

रजिया सुल्तान [1236-40] :-

→ यह कुबा व कुलाह पहनकर दरबार में आती थी।

→ यह तीरदांजी, घुड़सवारी तथा शिकार करती थी।

→ इसने कुछ पद प्रदान किए -

1. कबीर खाँ = लाहौर का गवर्नर

* कबीर खाँ ने रजिया के विरुद्ध विद्रोह किया [प्रथम विद्रोह]

2. अल्तूनिया = तबरहिन्द का गवर्नर

3. एतगीन = अमीर ए हाजिब

4. याकुत = अमीर ए आखुर

↓

* यह अफ्रीकी था।

* इसका रजिया के साथ प्रेम सम्बन्ध था।

* अल्तूनिया ने विद्रोह कर दिया, रजिया उसके विद्रोह का दमन करने हेतु गयी लेकिन वह पराजित हो गई।

12. → रजिया ने अल्तूनिया से विवाह कर लिया।
→ अमीरों ने बहरामशाह को सुल्तान बना दिया।
→ रजिया व अल्तूनिया ने दिल्ली पर आक्रमण कर दिया लेकिन पराजित हुए
→ कैथल (HR) नामक स्थान पर डाकुओं ने रजिया की हत्या कर दी।

बहरामशाह [1240-42] :-
→ नायब ए मुमलिकात नामक पद का सृजन किया गया एवं एतगीन को प्रथम नायब ए मुमलिकात नियुक्त किया गया।

अलाउद्दीन मसूदशाह [1242-46] :-

नासिरूद्दीन महमूद [1246-66] :-
→ यह बलबन की सहायता से सुल्तान बना।
→ यह बलबन का दामाद था।
→ यह धार्मिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था।
→ यह कुरान की प्रतिलिपियाँ लिखता था।
→ इसने बलबन को नायब ए मुमलिकात नियुक्त किया।
→ नासिरूद्दीन ने बलबन को हांसी (HR) का गवर्नर नियुक्त किया।

बलबन [1266-86] :-
→ यह इल्बरी तुर्क था।
→ चालीसा दल का सदस्य था।
→ रजिया सुल्ताना ⇒ अमीर ए शिकार
बहरामशाह ⇒ अमीर ए आखुर
अलाउद्दीन मसूदशाह ⇒ अमीर ए हाजिब
नासिरूद्दीन महमूद ⇒ नायब ए मुमलिकात

→ राजत्व का दैवीय सिद्धान्त -

1. जिल्ल ए इलाही (ईश्वर की छाया)
2. नियाबत ए खुदाई (ईश्वर का प्रतिनिधि)

→ यह रक्त की शुद्धता में विश्वास रखता था।

→ इसका संबंध ईरान के आफराशियाब वंश से था।

→ इसने ईरानी रीति - रिवाज एवं प्रथाएँ आरम्भ की।

1. सिजदा
2. पैबोस / पायबोस
3. नौरोज / नवरोज त्योहार
4. तुलादान
5. ताजिया

→ इसने अपने दरबार को भव्य रूप से सजाया।

→ अफ्रीकी अंगरक्षकों को नियुक्त किया।

→ अपने बच्चों के ईरानी नाम रखे -
कैकुबाद, कैखुसरो, क्यूमर्श

→ यह लौह एवं रक्त की नीति में विश्वास करता था।

→ इसने चालीसा दल का दमन किया।

→ अमीर बकबक को सजा दी।

→ तुगरिल खाँ ने बंगाल में इसके विरुद्ध विद्रोह किया।

→ इसने अमीन खाँ को मृत्युदण्ड दिया क्योंकि वह तुगरिल खाँ का विद्रोह, का दमन
करने में असफल रहा।

→ मलिक मुक्कदीर ने तुगरिल के विद्रोह का दमन किया।

→ बलबन ने मलिक मुकद्दिर को 'तुगरिलकुश' की उपाधि दी।

→ इसने मेवात व कटेहर (UP) के विद्रोह का दमन किया।

→ इसने महमूद को उत्तराधिकारी घोषित किया।

→ महमूद मंगोलों से लड़ता हुआ मारा गया।

→ इसने महमूद को 'शहीद' का दर्जा दिया।
→ इसने कभी कोई बाहरी अभियान नहीं किया।
→ इसने सैनिक विभाग की स्थापना की - 'दीवान ए अर्ज'
→ गुप्तचर विभाग = दीवान ए बरीद
→ बलबन ने कैखुसरो को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया।

कैकुबाद [1286-90] :-

→ यह शराबी था।
→ इसे लकवा हो गया।

क्युमर्श :-

→ इसका संरक्षक जलालुद्दीन खिलजी था।
→ जलालुद्दीन ने इसकी हत्या करवा दी।

खिलजी वंश

1290 - 1320

→ खिलजी मूलतः तुर्क थे लेकिन इनके पूर्वज अफगानिस्तान में बस गए।

→ इन्होंने अफगानी रीति - रिवाजों तथा संस्कृति को अपना लिया था।

→ इतिहासकारों के अनुसार यह खिलजी क्रान्ति थी।

1. तुर्क श्रेष्ठता की मनोवृत्ति को आघात लगा।

2. खिलजी शासकों ने साम्राज्यवादी नीति को अपनाया।

3. खिलजी शासकों ने धर्म को राजनीति से पृथक् किया।

4. सांस्कृतिक योगदान

जलालुद्दीन खिलजी [1290 - 96] :-

→ एक वर्ष तक किलोखरी को अपना केन्द्र बनाया।

→ इसने बलबन के सिंहासन का प्रयोग नहीं किया।

→ इसने मलिक छज्जू के विद्रोह को माफ कर दिया [बलबन का भतीजा]

→ इसने सूफी सन्त सिदी मौला को मृत्यु दण्ड दिया।

→ इसने दीवान ए वकूफ [व्यय विभाग] की स्थापना की।

→ मंगोल नेता अब्दुल्ला ने भारत पर आक्रमण किया लेकिन जलालुद्दीन खिलजी ने उसे पराजित किया।

→ मंगोल नेता उलूग खाँ दिल्ली में बस गया [मंगोलपुरी]

→ इन्हें नवीन मुसलमान कहा जाता है।

→ दिल्ली के ठग एवं चोरों को दावत दी एवं दिल्ली से बाहर भेज दिया

→ AK ने दक्षिण भारत में देवगिरी पर आक्रमण किया।

→ AK ने जलालुद्दीन की हत्या कर दी।

अलाउद्दीन खिलजी [1296 - 1316] :-

बचपन का नाम = अली, गुरशास्प

पालन-पोषण = जलालुद्दीन खिलजी (चाचा)

→ यह कड़ा एवं माणिकपुर का सूबेदार था।

→ दिल्ली प्रवेश के समय इसने जनता में धन बाँटा।

→ इसके दो सपने थे :-

① विश्व विजय → सिकन्दरसानी

② नया धर्म

→ काजी मुंगीस (मुंगीसुद्दीन) के साथ उसका संवाद काफी प्रसिद्ध है।

→ इसके समय कुछ विद्रोह हुए :-

1. नवीन मुसलमानों का विद्रोह
2. मंगू खाँ का विद्रोह
3. अक्त खाँ का विद्रोह
4. हाजी मौला का विद्रोह

→ विद्रोह रोकने के लिए AK के सुधार :-

① अतिरिक्त आय के स्रोतों को समाप्त किया।

② शराब की गोष्ठियों पर प्रतिबन्ध लगाया।

③ अमीरों में वैवाहिक सम्बन्ध खिलजी की अनुमति से ही संभव थे।

④ गुप्तचर व्यवस्था को दुरुस्त किया।

→ अभियान :-

① 1299 :- गुजरात अभियान

* यहाँ का शासक कर्ण बघेल था।
* कर्ण बघेल पराजित हुआ।
* कर्ण बघेल एवं देवलरानी (पुत्री) देवगिरी चले गए।
* कर्ण बघेल की पत्नी कमलादेवी ने AK से विवाह किया।

1299 - जैसलमेर

1301 - रणथम्भौर

1303 - चित्तौड़

1305 - मालवा

1308 - सिवाणा

1311 - जालौर

दक्षिण भारत के अभियान :-

→ दक्षिण भारत के अभियानों का नेतृत्व मलिक काफूर ने किया था।

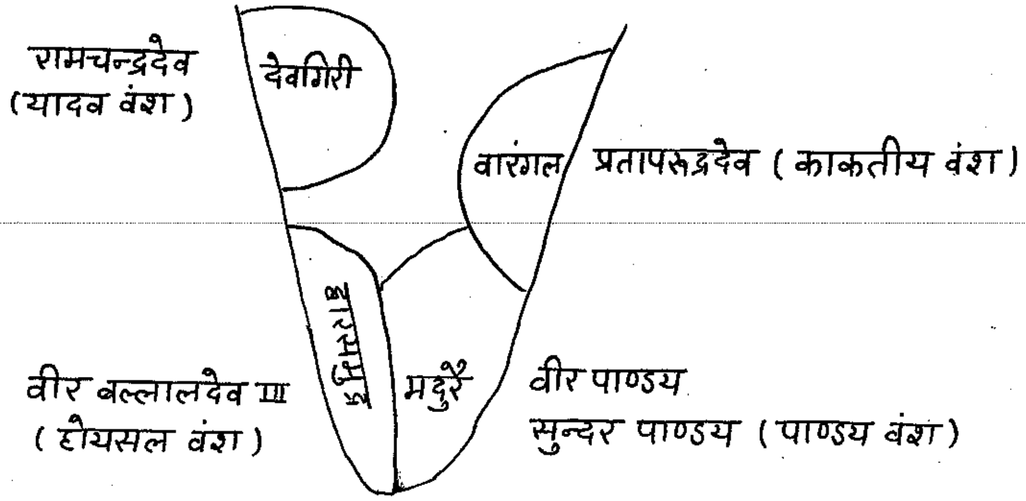

→ प्रतापरूद्रदेव ने मलिक काफूर को कोहिनूर का हीरा दिया।

→ मदुरै अभियान सबसे सफल अभियान था [लूट सर्वाधिक मिली]

→ वीर पाण्डय ने अधीनता स्वीकार नहीं की।

सैनिक सुधार :-

① खिलजी ने नियमित सेना का गठन किया एवं उन्हें वेतन देना आरंभ किया

② खुम्स में उनकी हिस्सेदारी को कम किया गया।

खुम्स

	सेना	सुल्तान
पहले	80%	20%
अब	20%	80%

③ इसने सैनिकों का हुलिया लिखवाना आरम्भ किया।

⑤ इसने घोड़ो को दागना आरम्भ किया।

राजस्व सुधार :-

① इसने भूमि की पैमाइश करवायी जिसे मसाहत कहा जाता है।

② इसने भू-राजस्व दर को बढ़ाकर 50 % कर दिया।

③ इसने एक विभाग की स्थापना की - दीवान ए मुस्तखराज → राजस्व विभाग
यह बकाया भू-राजस्व कर वसूलता था।

④ इसने दो नए कर लगाए -
(i) चरी कर
(ii) घरी कर

बाजार सुधार :-

① वस्तुओं के दाम नियंत्रित किए गए।

② सभी व्यापारियों को बदायूं द्वार के पास स्थापित किया गया।

③ बाजार को 3 भागों में विभाजित किया गया -
(i) सराय ए अदल
(ii) मण्डी
(iii) दासों व जानवरों का बाजार

④ बाजार सुधार हेतु विभाग की स्थापना की गई -
दीवान ए रियासत
* यह व्यापारियों का पंजीकरण करता था।

⑤ शहना ए मण्डी ⇒ पुलिस अधिकारी

⑥ बरीद
मुन्हियान } ⇒ गुप्तचर

⑦ परवाना नवीस ⇒ यह महँगी वस्तुएँ खरीदने का लाइसेंस देता था।

→ स्रोत :-

अमीर खुसरो	-	खजाइन उल फुतुह
जियाउद्दीन बरनी	-	तारीख ए फिरोजशाही
इब्नबतुता	-	रेहला
अबु बक्र इसामी	-	फुतुह उस सलातीन

चार खान :-

① जफर खान :- मंगोलों से लड़ता हुआ मारा गया।

② नुसरत खान :- रणथम्भौर अभियान में मारा गया।

③ उलूग खान

④ अलप खान

अन्य प्रसिद्ध सेनापति :-

① गाजी मलिक :- इसने मंगोलों को कई बार पराजित किया।

② मलिक काफूर :- यह गुजरात का हिन्दु था।

* यह किन्नर था।

* गुजरात अभियान के समय नुसरत खान के इसे भंडौच बन्दरगाह से 1000 दीनार में खरीदा। इसलिए इसे 1000 दीनारी कहा जाता है।

* मलिक काफूर के कहने पर AK ने अपने पुत्रों खिज्र खाँ व शादी खाँ की हत्या करवा दी एवं मुबारक खिलजी को जेल में डाल दिया।

* सर्वाधिक मंगोल आक्रमण AK के समय हुए।

<u>शिहाबुद्दीन उमर [1316]</u> :-

→ इसका संरक्षक मलिक काफूर था।

→ मुबारक खिलजी ने मलिक काफूर की हत्या करवा दी।

<u>मुबारक खिलजी</u> [1316-20]-

→ यह शराबी था।

→ इसने स्वयं को खलीफा घोषित किया।

→ इसने निजामुद्दीन औलिया के अभिवादन को अस्वीकार किया।

→ यह महिलाओं के कपड़े पहनता था।

→ खुशरवशाह/खुशरो ने इसकी हत्या कर दी।

20. खुशरवशाह [1320] -

→ यह भारतीय मुसलमान था।

→ इसने स्वयं को पैगम्बर का सेनापति घोषित किया।

→ इसके विरोधियों ने "इस्लाम खतरे में है" के नारे लगाए।

→ इसने सूफी सन्त निजामुद्दीन औलिया को 5 लाख टंके भेंट किए।

→ गाजी मलिक ने तुर्कों की सहायता से इसकी हत्या कर दी।

तुगलक वंश

1320 - 1414

→ इन्होंने 94 वर्षों तक शासन किया ⇒ सल्तनतकाल में सर्वाधिक समय

→ यह कौरानी तुर्क थे।

गयासुद्दीन तुगलक [1320-25] :-

→ वास्तविक नाम = गाजी मलिक

→ प्रथम शासक जिसने अपने नाम में गाजी शब्द का प्रयोग किया।

→ रश्म ए मियामी ⇒ उसकी राजस्व नीति

→ इसने भू-राजस्व दर को घटाकर 1/10 कर दिया।

→ इसने नहरों का निर्माण करवाया।

→ सूफी सन्त निजामुद्दीन औलिया के साथ इसका विवाद हो गया।

→ औलिया ने कहा -
"हनूज दिल्ली दूरस्थ" (दिल्ली अभी दूर है)

→ लकड़ी के महल में दबकर इसकी मृत्यु हो गई।

→ लकड़ी के महल के निर्माण जौना खाँ ने करवाया था।

→ सल्तनत काल का प्रथम सुल्तान जिसने नहरों का निर्माण करवाया।

मोहम्मद बिन तुगलक [1325-51] :-

→ वास्तविक नाम = जौना खाँ

→ यह निजामुद्दीन औलिया का शिष्य/अनुयायी था।

→ यह सल्तनतकाल का सबसे विद्वान शासक था।

→ इसे कई भाषाओं का ज्ञान था जैसे- तुर्की, अरबी, फारसी etc.

→ इसे कई विषयों का ज्ञान था जैसे - दर्शनशास्त्र, सुलेखन, ज्योतिषशास्त्र खगोलशास्त्र

→ इतिहासकार इसे पागल, रक्त-पिपासु बताते हैं।

→ वह प्रयोगधर्मी शासक था।

→ **प्रयोग :-**

① गंगा - यमुना दोआब में कर वृद्धि

* इसने कर को बढ़ाकर 1/2 कर दिया लेकिन वहाँ अकाल पड़ा।

* कालान्तर में इसने किसानों को अग्रिम कृषि ऋण सोनधर प्रदान किए

② इसने दीवान ए अमीरकोही (कृषि विभाग) की स्थापना की।

③ प्रतीकात्मक मुद्रा :-

* इसने चाँदी के सिक्कों के स्थान पर ताँबे के सिक्के चलाए लेकिन यह प्रयोग असफल रहा।

कारण :-

(i) जनता इसके महत्व को समझ नहीं पाई।

(ii) अधिकारियों द्वारा असहयोग

(iii) जाली मुद्रा

(iv) विदेशी व्यापारियों ने इसे स्वीकार नहीं किया।

(v) अपूर्ण तैयारी

* प्रेरणा :- (i) कुबलई खाँ (ii) गेताखु

④ राजधानी परिवर्तन

* देवगिरी को नई राजधानी बनाया गया एवं उसका नाम दौलताबाद रखा गया लेकिन यह प्रयोग असफल रहा।

* परिवर्तन के कारण :-

(i) इब्नबतुता एवं अबु बक्र इसामी के अनुसार जनता सुल्तान को गालियों भरे पत्र लिखती थीं। इसलिए इसने जनता को दण्डित किया।

(ii) बरनी के अनुसार सल्तनत के केन्द्र में राजधानी स्थापित की गई।

(iii) कुछ इतिहासकारों के अनुसार मंगोलों के आक्रमण से बचने के लिए राजधानी परिवर्तन किया गया।

• इस समय मंगोलों ने भारत पर एक बार आक्रमण किया। इनका नेता तमराशरीन था।

* वास्तविकता में राजधानी का पूर्णतः स्थानान्तरण नहीं हुआ था।

* हमें दिल्ली टकसाल के सिक्के प्राप्त होते हैं।
* अरब यात्री अब्बासी दो राजधानियों का उल्लेख करता है।

⑤ खुरासान अभियान :-

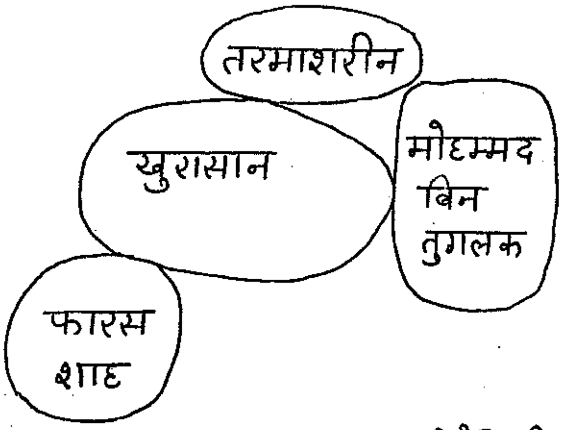

→ मोहम्मद बिन तुगलक ने 3.70 लाख सैनिकों को भर्ती किया एवं उन्हें अग्रिम वेतन दिया।
* कालान्तर में यह योजना ~~रद्द~~ रद्द हो गई।

⑥ कराचिल अभियान :-
* इसकी सेना कराचिल अभियान पर गई लेकिन आपदा के कारण समाप्त हो गई, मात्र 3 लोग जीवित लौटे (10); तुगलक ने उनकी हत्या करवा दी।

→ सर्वाधिक विद्रोह इसके समय हुए [सल्तनतकाल में]

→ इसके समय सल्तनत सबसे विस्तृत था।

→ यह धार्मिक रूप से सहिष्णु शासक था।

→ होली उसका पसंदीदा त्यौहार था।

→ **इब्नबतूता :-**
- मोरक्को का निवासी था।
  (अफ्रीका)
- 1333 में भारत आया।
- तुगलक ने इसे दिल्ली में काजी के पद पर नियुक्त किया।
- इसे कुछ दिनों के लिए जेल में डाला था।
- तुगलक ने इसे दूत बनाकर चीन भेजा।
- इसने अपना यात्रा वृतान्त चीन में जाकर लिखा - रेहला (अरबी भाषा

→ 1351 में थट्टा (सिन्ध) में मोहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु हुई।

फिरोज तुगलक [1351 - 86] :-

→ राज्याभिषेक = थट्टा (सिन्ध)
→ यह मोहम्मद बिन तुगलक (MBT) का चचेरा भाई था।
→ यह MBT का वैध उत्तराधिकारी नहीं था।
→ यह अमीरों तथा उलेमाओं की सहायता से शासक बना।
→ अमीर एवं उलेमा इसके समय अत्याधिक शक्तिशाली हो गए थे।
→ भ्रष्टाचार बढ़ गया था।
→ 'अफीफ' इतिहासकार भ्रष्टाचार की जानकारी देता है।
→ फिरोज ने अमीरों के पदों को वंशानुगत कर दिया [मुख्य रूप से इक्ता]

सुधार :-

1. इसने हेसामुद्दीन जुनैद से राज्य की वार्षिक आय की गणना करवाई जो 6.78 करोड़ टंका थी।
2. इसने 3 नए सिक्के चलाए -
(i) शशगानी (6 गुना)
(ii) अद्धा (1/2)
(iii) बिख (1/4)
3. इसने शरिया कानून के अनुसार केवल 4 कर लागू किए -
(i) खुम्स - लूट
(ii) खराज - भू-राजस्व कर
(iii) जजिया - राजनीतिक कर
(iv) जकात - मुस्लिमों द्वारा दिया गया दान (आय का 40 वाँ हिस्सा)
4. इसने 23 प्रकार के करों को समाप्त किया जिन्हें 'अबवाब' कहा जाता था
5. इसने नहरों का निर्माण करवाया।
प्रमुख नहरें :- राजावाही
उलूगखानी
6. इसने 300 शहरों की स्थापना की।
प्रमुख शहर :-
(i) फिरोजशाह कोटला - 5 वीं दिल्ली

(ii) फिरोजाबाद

(iii) फिरोजपुर

(iv) हिसार फिरोजा

(v) फतेहाबाद :- अपने पुत्र फतेह खान की याद में

(vi) जौनपुर :- अपने भाई जौना खान की याद में

* बंगाल अभियान से लौटते समय जौनपुर शहर बसाया गया।

7. इसने 1200 उद्यानों का निर्माण करवाया।

8. इसने कुछ विभागों की स्थापना की :-

(i) दीवान ए खैरात :- दान विभाग (गरीब मुसलमानों के लिए)

(ii) दीवान ए इस्तिहाक :- पेंशन विभाग

(iii) दीवान ए बन्दगान :- गुलाम विभाग

(iv) शफाखाना / दार उल शफा :- चिकित्सालय

9. इसने एक सिंचाई कर लागू किया :- हक ए शर्ब

उश्र :- मुसलमानों की भूमि

उश्री कर :- उश्र पर लगाया कर

अभियान :-

→ फिरोज तुगलक अच्छा सेनानायक नहीं था।

→ इसने बंगाल व सिन्ध पर अभियान किए।

→ सिन्ध अभियान को अत्यनंत कुव्यवस्थित अभियान कहा जाता है।

धार्मिक नीति :-

→ इसकी माँ हिन्दू थी।

→ इसने ब्राह्मणों पर जजिया कर लागू किया।

→ बंगाल अभियान से लौटते समय पुरी के जगन्नाथ मन्दिर को तुड़वाया।

→ इसने ज्वाला देवी मन्दिर [HP] को तुड़वाया।

→ ज्वाला देवी मन्दिर से प्राप्त संस्कृत पाण्डुलिपियों का फारसी में अनुवाद करवाया।

अनुवादक = अजीजुद्दीन

अनुवाद का नाम = दलायले फिरोजशाही

→ फिरोज की आत्मकथा = फुतुहात ए फिरोजशाही

→ जियाउद्दीन बरनी की पुस्तकें :-

(i) तारीख ए फिरोजशाही

(ii) फतवा ए जहाँदारी

→ शम्स ए शिराज अफीफ की पुस्तकें :-

(i) तारीफ ए फिरोजशाही

→ लेखक : अज्ञात
पुस्तक : सीरत ए फिरोजशाही

* इसमें नहरों की जानकारी मिलती है।

→ फिरोज के आर्थिक सुधारों का श्रेय उसके मंत्री "खान ए जहाँ तेलंगानी" को जाता है।

* यह तेलंगाना का ब्राह्मण था।

* इसका बास्तविक नाम 'कन्नु' था।

गयासुद्दीन तुगलक II [1386] :-

→ इस समय गुलाम अत्यधिक शक्तिशाली हो गए थे।

→ सल्तनत कई भागों में विभाजित हो गया।

नासिरूद्दीन महमूद [1394-1412] :-

→ सल्तनम दिल्ली से पालम तक फैला हुआ था।

→ 1398 :- तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया एवं दिल्ली को लूट लिया।

* सुल्तान दिल्ली छोड़कर भाग गया।

* एक भिखारी दौलत ने तैमूर को लंगड़ा कहा (तैमूरलंग)

* तैमूर भारतीय कारीगरों को अपने साथ समरकन्द लेकर गया।

* भारतीय कारीगरों ने समरकन्द में तैमूर के मकबरे का निर्माण किया।

दौलत खाँ लोदी (1412-14) :-

→ खिज्र खाँ ने इसकी हत्या कर दी।

सैय्यद वंश

1414 - 1451

→ यह मोहम्मद साहब के वंशज थे।

<u>खिज्र खाँ</u> :- [1414-21]

→ तैमूर ने इसे मुल्तान एवं पंजाब का गवर्नर बनाया।

→ इसने सुल्तान की उपाधि धारण नहीं की।

→ उपाधि :-
रैय्यत - ए- आला

रैय्यत = किसान/जनता

→ यह स्वयं को तैमूर के पुत्र शाहरूख का प्रतिनिधि मानता था।

<u>मुबारकशाह</u> [1421 - 34]

→ शाह की उपाधि धारण की।

→ याह्या बिन अहमद सरहिन्दी : तारीख ए मुबारकशाही

मोहम्मद शाह [1434 - 45]

<u>अलाउद्दीन आलमशाह</u> [1445-51] :

→ यह सल्तनत का कार्यभार बहलोल लोदी को सौंपकर बदायूं चला गया।

लोदी वंश
1451 - 1526

→ इनका संबंध अफगानों की शाहुखेल शाखा से था।
→ इनके पूर्वज घोड़ों के व्यापारी थे।

बहलोल लोदी [1451 - 89] :-

→ अफगानों का समाज समतामूलक समाज था।
→ सुल्तान को समानों में प्रथम माना जाता था।
→ बहलोल अपने अमीरों का सदैव स्वागत करता था।
→ यह सिंहासन का प्रयोग नहीं करता था।
→ वह अपने अमीरों को मसनद -ए- आली पुकारता था।
→ इसने जौनपुर को जीत लिया।
→ इसने सिक्के चलाए जिन्हें बहलोली सिक्के चलाए जो मुगलकाल तक मान्य थे।

सिकन्दर लोदी [1489 - 1517] :-

→ इसने सिंहासन का प्रयोग आरम्भ किया।
→ इसने सुल्तान के पद को गरिमामय बनाया।
→ इसके अमीर शाही फरमान का भी सम्मान करते थे।
→ "गुलरूखी" उपनाम से लिखता था।
→ इसने आगरा शहर की स्थापना की [1504] एवं 1506 में इसे राजधानी बनाया।
→ इसने सिकन्दरी गज का प्रयोग किया।
→ एकमात्र सुल्तान जिसने खुम्स में हिस्सेदारी नहीं ली।
→ इसने अनाज से चुंगी कर हटा दिया।
→ पसंदीदा वाद्य यंत्र = शहनाई
→ लज्जत ए सिकन्दरशाही ⇒ संगीत ग्रन्थों का फारसी अनुवाद
→ फरहंग ए सिकन्दरी ⇒ आयुर्वेद ग्रन्थों का फारसी अनुवाद
→ कथन :- यदि मैं मेरे गुलाम को पालकी में बिठा दूँ तो अमीर उसे उठाने से इंकार नहीं करेंगे।

धार्मिक नीति :-

① एक ब्राह्मण को मृत्युदण्ड दिया।

② पुरी के जगन्नाथ मन्दिर को तुड़वाया।

③ ज्वालादेवी मन्दिर को तुड़वाया।

④ ज्वालादेवी मूर्ति के टुकड़ो को कसाईयों में वितरित करवाया।

⑤ महिलाओं के मज़ार जाने पर रोक लगाई। दरगाह = मजार + मस्जिद

<u>इब्राहिम लोदी</u> [1517-26] :-

→ इसने अपने व्यवहार से अमीरों को नाराज कर दिया।

→ दौलत खाँ लोदी (पंजाब का गवर्नर) ने बाबर को भारत पर आक्रमण हेतु आमंत्रित किया [अमीर खाँ लोदी भी सम्मिलित (चाचा)]

कथन :-

मेरे अमीर मेरे शाही खेमे का सम्मान करते हैं।

पानीपत का प्रथम युद्ध - 1526

इब्राहिम लोदी v/s बाबर

↓

पराजित व युद्ध मैदान में मारा गया।

mains

सल्तनतकालीन स्थापत्य कला

हिन्दू स्थापत्य शैली एवं मुस्लिम स्थापत्य शैली के मिश्रित रूप को इण्डो-इस्लामिक शैली कहा जाता है।

हिन्दू शैली	मुस्लिम शैली
① 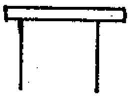 धरणी/शहतीर छज्जे कोष्ठक स्तम्भ	① मेहराब शैली मीनार गुम्बद
② निर्माण सामग्री :- बड़े - बड़े पत्थरों का प्रयोग	② निर्माण सामग्री :- छोटे - छोटे पत्थर, गारा, चूना, टाइल्स
③ अलंकरण :- देवी - देवताओं एवं अप्सराओं की मूर्तियाँ, फूल-पत्ते, बेल - बूटे, घंटियाँ	③ अलंकरण :- कुरान की आयतें, ज्यामितीय आकृतियाँ

अरबस्क शैली :-

हिन्दू एवं मुस्लिम शैली के अलंकरण की मिश्रित शैली को अरबस्क शैली कहा जाता है।

ममलुक वंश :-

कुतुबुद्दीन ऐबक :-

① कुत्वत उल इस्लाम मस्जिद :-

→ सल्तनत काल की प्रथम इमारत

→ निर्माण सामग्री हेतु 27 हिन्दू एवं जैन मन्दिरों को तोड़ा गया।

② कुतुबमीनार :-

→ यह 5 मंजिला इमारत है।

③ अढाई दिन का झोंपड़ा (अजमेर) :-

इल्तुतमिश :-

① सुल्तान गढी का मकबरा
→ यह भारत का प्रथम मकबरा था।
→ इल्तुतमिश को मकबरों का जन्मदाता कहा जाता है।
→ अपने पुत्र नासिरुद्दीन की याद में बनवाया।

② कुतुबमीनार का निर्माण पूर्ण करवाया।

③ अतारकीन का दरवाजा [नागौर] -
→ हमीदुद्दीन नागौरी के सम्मान में

④ गन्धक बावड़ी

⑤ इल्तुतमिश का मकबरा
→ स्क्वीचशैली में बना हुआ है।

बदायू की इमारतें - (i) जामा मस्जिद
(ii) ईदगाह मस्जिद

बलबन :-
① लाल महल
② बलबन का मकबरा
→ प्रथम शुद्ध इस्लामिक शैली में निर्मित मेहराब

खिलजी वंश

* खिलजीकालीन इमारतों पर अत्यधिक सुन्दर अलंकरण का कार्य किया गया है।
* यह खिलजी शासकों की अच्छी आर्थिक स्थिति को दर्शाता है।

अलाउद्दीन खिलजी :-
① नवनगर / नौनगर
② सिरी फोर्ट
③ हजार सितुन का महल
④ हौजखास
⑤ अलाई मीनार
⑥ अलाई दरवाजा - वैज्ञानिक दृष्टिकोण से निर्मित प्रथम गुम्बद

⑦ जमातखाना मस्जिद :-
शुद्ध इस्लामिक शैली में निर्मित प्रथम इमारत

<u>मुबारक खिलजी</u> :-

① ऊखा मस्जिद (बयाना) [उषा मन्दिर]

<u>तुगलक वंश</u>

* तुगलककालीन इमारतों में मजबूती पर अधिक ध्यान दिया गया है।
* इन इमारतों पर अलंकरण का अभाव है।

<u>गयासुद्दीन</u> :-

① तुगलकाबाद
② तुगलकाबाद का किला
→ इसे छप्पनकोट भी कहा जाता है।
→ इसे सलामी शैली में बनाया गया है जो रोमन शैली से प्रभावित है।
ढलवा दीवारें

③ गयासुद्दीन तुगलक का मकबरा
→ यह एक कृत्रिम झील में बना हुआ है।
→ इस पर हिन्दू प्रभाव दिखाई देता है।
→ इस पर कलश एवं आमलक बने हुए हैं।

<u>मोहम्मद बिन तुगलक</u> :-

① जहाँपनाह
② आदिलाबाद का किला
③ बाराखम्भा :-
इसे धर्मनिरपेक्ष इमारतें कहा जाता है।
④ सतपुल :-

<u>फिरोज तुगलक</u> :-

① फिरोजशाह कोटला (5th दिल्ली)
② खिरकी मस्जिद → ASI को यहाँ से सिक्के मिले हैं।
③ बेगमपुरी मस्जिद

④ काली मस्जिद

⑤ कला मस्जिद

⑥ कुश्क ए शिकार मस्जिद

→ इसके समय को मस्जिदों का काल कहा जाता है।

Imp.
⑦ खान ए जहाँ तेलंगानी का मकबरा

→ यह भारत का प्रथम अष्टकोणीय मकबरा है।

→ इसका निर्माण जौना खाँ (पुत्र) ने करवाया।

→ अशोक के टोपरा व मेरठ स्तम्भों को दिल्ली में स्थापित करवाया।

गयासुद्दीन तुगलक II :-

① कबीरुद्दीन औलिया का मकबरा

→ गयासुद्दीन तुगलक के समय निर्माण आरम्भ हुआ।

→ इसे लाल गुम्बद कहा जाता है।

सैय्यद वंश

☆ सैय्यद काल व लोदी काल को मकबरों का काल कहा जाता है।

खिज्र खाँ :-

खिज्राबाद

मुबारकशाह :-

मुबारकाबाद

लोदी वंश

सिकन्दर लोदी :-

→ इसने बहलोल लोदी के मकबरे का निर्माण करवाया।

मोठ की मस्जिद -

→ इसका निर्माण सिकन्दर लोदी के सेनापति मियां भुंआ ने करवाया।

इब्राहिम लोदी :-

→ इसने सिकन्दर लोदी के मकबरे का निर्माण करवाया।

→ प्रथम इमारत जहाँ दोहरे गुम्बद का निर्माण किया गया।

→ लोदी काल की अन्य प्रसिद्ध इमारतें :-

① बड़े खाँ का मकबरा

② छोटे खाँ का मकबरा

③ दादी का मकबरा

④ पोती / पोली का मकबरा

Mains

← सल्तनतकालीन साहित्य →

लेखक	पुस्तक
हसन निजामी	ताज उल मासिर
मिनहाज उस सिराज	तबकात ए नासिरी
Imp. अमीर खुसरो	1. नूंह सिपेहर * (भारत की भौगोलिक स्थिति का वर्णन

* कश्मीर की प्रशंषा करता है।

" गर फिरदौस बर रहू जमीं अस्त,
हमी अस्तो, हमी अस्तो, हमी अस्त ॥"

2. किरान उस सादेन
(बुगरा खाँ तथा कैकुबाद का संवाद)

3. मिफ्ता उल फुतुह
(जलालुद्दीन खिलजी की जानकारी)

4. खजाइन उल फुतुह (तारीख ए अलाई
[AK की जानकारी]
[फारसी साहित्य में पहली बार जौहर शब्द का उल्लेख किया गया है]
[हम्मीर की बेटी ने जलजौहर किया था]

5. तुगलकनामा
[तुगलक शासकों की जानकारी]

6. आशिका / आशिकी
(खिज्र खाँ एवं देवलरानी की कहानी)

→ खुसरो निजामुद्दीन औलिया का शिष्य था।
→ इसे 'हिन्द का तोता' कहा जाता है।
→ यह सात सुल्तानों के समकालीन रहा।
→ यह प्रथम व्यक्ति था जिसने अपनी रचनाओं में हिन्दी लोकोक्ति एवं मुहावरों का प्रयोग किया।

→ इसने संगीत में योगदान दिया।
→ तम्बूरा एवं वीणा को मिलाकर सितार का आविष्कार किया।
→ कव्वाली, तराना जैसी गायन शैली प्रारंभ की / विकसित की।
→ इसने गजल तथा ख्याल जैसी गायन शैली को विकसित किया।

Pre.

सल्तनतकालीन प्रशासन

① **सुल्तान :-**

→ केन्द्रीकृत, निरंकुश, वंशानुगत, राजतंत्रात्मक शासन व्यवस्था थी।

→ सिद्धान्ततः खलीफा का प्रतिनिधि होता था लेकिन व्यवहारिकता में वह स्वतंत्र शासन [सुल्तान] करता था।

→ उसकी सहायता हेतु एक मन्त्रिमण्डल होता था जिसे "मजलिस ए खलवत" कहा जाता था।

② वजीर :- वित्त मंत्री

③ मुशरिफ ए मुमालिक : महालेखाकार
④ मुस्तौफी ए मुमालिक : महालेखा परीक्षक
} वजीर के अधीनस्थ

(I) दीवान ए इंशा :- पत्राचार विभाग

(II) दीवान ए बरीद : गुप्तचर विभाग

(III) दीवान ए अर्ज : सैनिक विभाग
↓
प्रमुख = आरिज ए मुमालिक

(IV) दीवान ए वकूफ : व्यय विभाग

(V) दीवान ए नजर : उपहार विभाग

(VI) दीवान ए रसालत : विदेश विभाग

(VII) दीवान ए मुस्तखराज : राजस्व विभाग

(VIII) दीवान ए अमीरकोही : कृषि विभाग

प्रसिद्ध अधिकारी :-

अमीर ए शिकार	=	शिकार अधिकारी
अमीर ए आखुर	=	अश्व अधिकारी
अमीर ए हाजिब	=	सुल्तान का निजी सहायक [P.A.]
अमीर ए मजलिस	=	शाही दावत की व्यवस्था करने वाला
वकील ए दर	=	शाही महल की आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला
शहना ए पिल	=	हस्थीशाला का प्रमुख
सद्र उस सुदूर	=	धार्मिक मामलों का प्रमुख
काजी उल कज्जात	=	न्यायाधीश

प्रान्तीय प्रशासन :-

इक्ता ⇒ इक्तेदार, वलि

वजे (छोटी इक्ता) ⇒ वजेदार

सैनिक प्रशासन :-

1. हश्म ए कल्ब : केन्द्रीय सेना
2. हश्म ए अतराफ : प्रान्तीय सेना
3. सवार ए कल्ब : घुड़सवार सेना
4. खास ए खैल : अंगरक्षक सेना

→ AK ने नियमित सेना का गठन किया।

→ MBT ने दशमलव पद्धति पर सेना का गठन किया।

10 सवार ⇒ 1 सर ए नौबत / सर ए खेल

10 सर ए नौबत ⇒ 1 सिपहसालार

10 सिपहसालार ⇒ 1 अमीर

10 अमीर ⇒ 1 मलिक

10 मलिक ⇒ 1 खान

हथियार :-

① मंगलिक
② गुलेल
③ अर्राट

न्याय प्रशासन :-

सर्वोच्च न्यायाधीश = सुल्तान

प्रधान न्यायाधीश = काजी

न्याय विभाग का प्रमुख = काजी

काजी जिसकी सहायता से न्याय करता था = मुफ्ती

→ फौजदारी मामलों में हिन्दुओं एवं मुसलमानों हेतु समान कानून होता था लेकिन दीवानी मामलों में हिन्दुओं व मुसलमानों हेतु अलग कानून थे।

★→ गाँवों में पण्डित एवं काजी न्याय का कार्य करते थे।

कानून के स्रोत :-

① कुरान
② हदीस : मोहम्मद साहब की शिक्षाएँ एवं जीवन की घटनाएँ
③ इज्मा : धार्मिक व्याख्याकारों की शिक्षाएँ
④ कयास : काजी द्वारा अनुमानित सजा

★ देश का कानून - स्थानीय कानून

राजस्व व्यवस्था :-

→ भू-राजस्व कर राजस्व का प्रमुख स्रोत था।

→ राजस्व वसूलने की पद्धति "बटाई" कहलाती थी।

→ बटाई के प्रकार :-

(i) खेत बटाई
(ii) लँक बटाई
(iii) रास बटाई

→ बटाई के अन्य प्रसिद्ध नाम :

① किस्मत ए गल्ला

② गल्ला ए बख्शी
③ हासिल

→ कनकूत :- भू-राजस्व वसूलने की अन्य पद्धति [कण + कूँतना]

Note :- शराब बनाने की आसवन विधि का आरम्भ हुआ ।
कागज बनाने की विधि तुर्कों ने आरम्भ की ।
कलई विधि आरंभ हुई (बर्तन चमकाना) ।

मुगलकाल
1526 - 1707 (1857)

बाबर :-

→ जन्मस्थान = फरगना (उज्बेकिस्तान), मध्य एशिया

→ जन्म = 1483 AD

→ दादी = दौलत अहसान बेगम (इसकी सहायता से 1494 में फरगना का शासक बना)

→ वह समरकन्द को जीतना चाहता था।

→ 1504 : काबुल

→ 1519 : भैरा व बाजौर (Pak.) पर आक्रमण
- * यह भारत पर उसका प्रथम आक्रमण था।
- * बाबर ने पहली बार भारत में बारूद का प्रयोग किया।

→ 1526 : पानीपत का प्रथम युद्ध
- * बाबर ने तोपखाने का प्रयोग किया।
- * अली एवं मुस्तफा = तोपची
- * तुगलमा पद्धति / उस्मानी पद्धति का प्रयोग किया था।
- * इस युद्ध के पश्चात बाबर ने कहा था - " काबुल की गरीबी और नहीं "
- * प्रत्येक काबुलवासी को शाहरुख नामक चाँदी का सिक्का दिया।
- * इस कारण "कलन्दर" के रूप में प्रसिद्ध हुआ

→ 1527 : खानवा का युद्ध
बाबर V/s सांगा

→ 1528 : चंदेरी का युद्ध
बाबर V/s मेदिनीराय

→ 1529 : घाघरा का युद्ध
बाबर V/s अफगान

→ 1530 : बाबर की मृत्यु

mains
→ बाबर की आत्मकथा : तुजुक ए बाबरी / बाबरनामा
↓
भाषा = चगताई तुर्क

→ पायन्दा खाँ ने इसका फारसी में अनुवाद किया।

→ अब्दुल रहीम खान खाना ने अकबर के समय इसका फारसी में अनुवाद किया।

→ आर्सकीन एवं लीडेन ने इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया।

→ "पावेत दी कार्तले" ने फ्रांसीसी भाषा में अनुवाद किया।

→ इसमें भारत की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थिति का वर्णन किया है।

→ दो हिन्दु राजाओं का उल्लेख करता है -

① कृष्णदेवराय : इसे भारत का सबसे शक्तिशाली शासक बताता है।

② राणा सांगा : इसके शौर्य की प्रशंषा करता है।

→ 5 मुस्लिम राज्यों का उल्लेख करता है -

① दिल्ली
② बंगाल
③ गुजरात
④ मालवा
⑤ बहमनी

→ भारत को कारीगरों का देश बताता है।

→ भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध बताता है।

→ आम को फलों का राजा बताता है।

→ गंगा नदी का उल्लेख करता है।

→ भारत के तीन अभिशाप बताता है -

① लू
② आँधी
③ गर्मी

→ फारसी चित्रकार "बिहजाद" के नाम का उल्लेख करता है।

हुमायूँ :-

→ शाब्दिक अर्थ = भाग्यशाली

→ हुमायूँ ने अपना साम्राज्य भाइयों में वितरित किया -

① कामरान - काबुल

② अस्करी - सम्भल

③ हिन्दाल - मेवात

→ 1532 : दोहरिया का युद्ध
हुमायूँ V/S अफगान
हुमायूँ जीत गया।

→ चुनार का घेराव

* शेरखाँ ने हुमायूँ के साथ सन्धि कर ली।

→ गुजरात अभियान [1534-35]

* हुमायूँ ने गुजरात पर अधिकार कर लिया।
* बहादुरशाह ने पुर्तगालियों की सहायता से गुजरात को पुन: जीत लिया
* कालान्तर में पुर्तगालियों ने बहादुरशाह की हत्या कर दी।

→ चुनार अभियान - 1537

* शेरखान बंगाल की तरफ चला गया।
* शेरखान ने बंगाल को उजाड़ दिया।
* हुमायूँ ने बंगाल को पुन: बसाया एवं उसका नाम जन्नताबाद रखा।

चौसा का युद्ध - 1539
शेरखान V/S हुमायूँ
↓
हार गया

* हुमायूँ ने कर्मनासा नदी में छलाँग लगा दी एवं निजामसक्का भिश्ती की सहायता से अपनी जान बचाई।
* हुमायूँनामा के अनुसार निजामसक्का एक दिन का बादशाह बना एवं उसने चमड़े के सिक्के चलाए।

कन्नौज या बिलग्राम का युद्ध - 1540

हुमायूँ v/s शेरशाह सूरि

↓

पराजित हुआ व अमरकोट चला गया।

* अमरकोट के राणा वीरसाल ने हुमायूँ को शरण प्रदान की।

→ इसने मीर बाबा दोस्त (हिन्दाल के गुरु) की पुत्री हमीदा बानो बेगम से विवाह किया।

→ हमीदा बानो बेगम अकबर की माँ थी।

1545 :- हुमायूँ ने फारस के शाह की सहायता से काबुल व कन्धार को जीत लिया।

1555 :- मच्छीवाड़ा का युद्ध

* हुमायूँ ने नसीब खान व तातार खाँ [अफगान सेनापति] को पराजित किया।
  (सिकन्दर सूरि)

1555 :- सरहिन्द का युद्ध

* हुमायूँ ने सिकन्दर सूर को पराजित किया।

1556 :- दीनपनाह महल के शेरमण्डल पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर हुमायूँ की मृत्यु

* हुमायूँ के हमशक्ल मुल्ला शाह बेगशी को जनता के सामने प्रस्तुत किया जाता।
* प्रशासनिक कार्य तारदी बेग सँभालता था।
* हेमू ने दिल्ली पर आक्रमण किया एवं जीत लिया।

शेरशाह सूरि :-

→ बचपन का नाम = फरीद

→ जन्म स्थान = बजवाड़ा, होशियारपुर (Punjab)

→ शिक्षा = जौनपुर

↓

इसके पिता जौनपुर के शासक की सेवा में थे।

→ सासाराम एव ख्वासपुर (Bihar) मे जमादारी मिली थी [पिता को]
→ शेरशाह ने प्रशासनिक अनुभव सासाराम एवं ख्वासपुर से प्राप्त किये ।
→ शेरखाँ बंगाल के शासक बहार खाँ लोहानी / नुहानी के पास सेवा में गया ।
→ बहार खाँ लोहानी ने इसे शेर खाँ की उपाधि दी ।
→ शेरखाँ ने चंदेरी के युद्ध में हिस्सा लिया था ।
→ चौसा का युद्ध : 1539
* इस युद्ध के पश्चात् शेरखाँ ने "शाह" की उपाधि धारण की ।
→ कन्नौज का युद्ध : 1540
* इस युद्ध के पश्चात् शेरशाह ने आगरा व दिल्ली पर अधिकार कर लिया ।
→ शेरशाह ने चुनार की विधवा शासिका (लाड बेगम) से विवाह किया ।
→ बंगाल अभियान : 1541
→ गक्खरों के विरुद्ध अभियान :- 1541
→ मालवा अभियान : 1542
→ रायसीन अभियान : 1543
* पूरणमल यहाँ का शासक था ।
* शेरशाह सूरी ने षड्यंत्रपूर्वक इसकी हत्या कर दी ।
* इस घटना से आहत होकर कुतुब खाँ ने आत्महत्या कर ली । [पुत्र]
* यह घटना शेरशाह सूरि के जीवन पर कलंक है ।
→ गिरि सुमेल का युद्ध : 1544
→ कालिंजर अभियान : 1545
* यहाँ का शासक किरतसिंह था ।
→ शेरशाह "उक्का" नामक आग्नेयास्त्र चलाते समय घायल हो गया एवं उसकी मृत्यु हो गई ।

सुधार :-

(1) बंगाल में प्रशासनिक सुधार :-

— शेरशाह सूरी ने बंगाल को सरकार (जिला) एवं परगनों (तहसील) में विभाजित किया एवं शक्तियों का विकेन्द्रीकरण किया।

* सरकार → शिकदार ए शिकदारान (प्रशासनिक अधिकारी)
  → मुंसिफ ए मुंसिफान (राजस्व अधिकारी)

* परगना → शिकदार (प्रशासनिक शक्तियाँ)
  → मुंसिफ (राजस्व शक्तियाँ)

- एक नए पद का सृजन किया गया :- अमीर/अमीन - ए - बांगला
- काजी फजिलात प्रथम अमीर ए बांगला थे।

② <u>मुद्रा सुधार</u> :-

* इसने दो सिक्के आरम्भ किये।
* चाँदी ⇒ रूपया
  ताँबा ⇒ दाम
* इसने 23 टकसालाएँ स्थापित करवाई।
* सिक्कों पर टकसाल का नाम व शासक का नाम अरबी व देवनागरी लिपि में लिखा होता था।

③ <u>भू - राजस्व सुधार</u> :-

* शेरशाह ने भूमि की पैमाइश करवायी।
* भूमि को तीन भागों में विभाजित किया गया :-

① उत्तम
② मध्यम
③ निम्न

* इसने जागीरदारों की स्थिति को कमजोर किया।
* इसने सिकन्दरी गज का प्रयोग किया।
* इसने दो उपकर (Cess) लागू किये :-

① जरीबाना : भूमि पैमाइश कर (2.5 %)
② महासिलाना : भू- राजस्व संग्रहण कर (5 %)

* इसने अकाल राहत कोष कर लागू किया।
* इसने किसानों को पट्टे जारी किए।
* किसानों ने कबूलियत लिखीं।
* शेरशाह सूरी की भू-राजस्व व्यवस्था को "रे (रयि)" कहा जाता है।

④ <u>न्यायिक सुधार</u> :-

* शेरशाह सूरी न्याय की सर्वोच्चता में विश्वास करता था।
* इसने अपने भतीजे को मृत्युदण्ड दिया।
* शेरशाह सूरी ने उत्तरदायित्व के सिद्धान्त को लागू किया।
* अब्बास खाँ शरवानी के अनुसार –

" शेरशाह सूरी के शासनकाल में यदि एक बूढ़ी महिला अपने सिर पर हीरे-जवाहरात से भरी टोकरी लेकर जाए तो किसी की उसे लूटने की हिम्मत नहीं होती "

<u>अन्य सुधार</u> :-

(i) इसने सड़कों का निर्माण करवाया।
* GT Road (Grand Trunk / NH-1, 2) का पुनर्निमाण करवाया।

(ii) इसने 1700 सरायों का निर्माण करवाया।

(iii) कुएँ खुदवाये।

(iv) पेड़ लगवाये।

* इतिहासकार लेनपुल (कानूनगो) ने इसे सूर साम्राज्य की धमनियाँ कहा है।

(v) शेरशाह सूरी ने डाक-व्यवस्था को दुरुस्त किया।

<u>स्थापत्य कला</u> :-

① इसने पटना शहर को बसाया।
② दिल्ली में किला ए कुहना मस्जिद का निर्माण करवाया।
③ लाल दरवाजे का निर्माण करवाया।
④ रोहतासगढ़ किले का पुनर्निमाण करवाया।
⑤ उत्तर-पश्चिमी सीमा पर रोहतासगढ़ किले का निर्माण करवाया।

⑥ शेरशाह सूरी का मकबरा – सासाराम

नोट :- ① टोडरमल इसके दरबार में था।

② पद्मावत का लेखक = मलिक मोहम्मद जायसी

③ अब्बास खाँ शरवानी इसके दरबार में था।

* पुस्तक :

(i) तारीख ए शेरशाही

(ii) तोहफा ए अकबरशाही

इस्लाम शाह सूर :- [1545-54]

→ मानगढ़ के किलों का निर्माण करवाया [मानकोट]

→ कानूनों का संकलन करवाया।

→ इसकी मौत के बाद सूर साम्राज्य 5 भागों में विभक्त हो गया।

सिकन्दर सूर [1554-55] :-

→ हुमायूँ ने इसे पराजित किया और दिल्ली को जीत लिया।

हेमू :-

→ यह रेवाड़ी के बाजार में नमक का दलाल था।

→ यह आदिलशाह (चुनार) का सेनापति था।

↓

यह नृर्तक था।

→ हेमू ने लगातार 22 लड़ाईयाँ जीती थीं।

→ हेमू ने आगरा व दिल्ली पर अधिकार कर लिया था।

→ हेमू ने "विक्रमादित्य" की उपाधि धारण की।

→ यह दिल्ली का अन्तिम हिन्दू शासक था।

पानीपत का द्वितीय युद्ध -
हेमू लड़ता हुआ मारा गया।

<u>अकबर</u> [1556-1605] :-

जन्म = 1542 (अमरकोट)

बचपन का नाम = बदरूद्दीन

संरक्षक = मुनीम खाँ

2nd संरक्षक = बैरामखाँ

राज्याभिषेक = कलानौर (हरियाणा)

पानीपत का द्वितीय युद्ध - 1556

अकबर v/s हेमू
↓
बैरामखाँ

* अकबर ने गाजी की उपाधि धारण की।
* 1560 तक सभी शक्तियाँ बैरामखाँ के पास थीं।

1560 : बैरामखाँ का पतन

→ अकबर ने बैराम खाँ के समक्ष तीन प्रस्ताव रखे -
① मालवा व चन्देरी की सूबेदारी
② बादशाह के आन्तरिक मामलों का प्रमुख
③ हज

→ तलवाड़ा / तिलवाड़ा का युद्ध :
बैरामखाँ पराजित हुआ एवं हज चला गया।

→ पाकपाटन (गुजरात) में एक अफगान ने बैरामखाँ की हत्या कर दी।

→ पाटन के फकीरों ने बैरामखाँ का अन्तिम संस्कार किया।

→ 1560 - 62 : पेटीकोट शासन / अतका खेल

* अकबर पर हरम का प्रभाव था।

① माहम अनगा
② जीजी अनगा
③ आधमखाँ
④ मुनीमखाँ
+
हरम की महिलाएँ

1562 : अकबर ने आधमखाँ की हत्या करवा दी।
* इस सदमे से माहम अनगा की मृत्यु हो गई।

→ अकबर हरम के प्रभाव से मुक्त हो गया।

आरंभिक सुधार :-

1562 : युद्ध - बंदियों के धर्मांतरण पर रोक
या
दास प्रथा पर प्रतिबन्ध

1563 : तीर्थ - यात्रा कर को समाप्त किया।

1564 : जजिया कर को समाप्त किया।

अभियान :-

1561 : मालवा
* बाजबहादुर (मालवा) अकबर के दरबार में आ गया [रानी रूपमती ने आत्महत्या कर ली]

1564 : गोंडवाना अभियान [MH]
* रानी दुर्गावती ने मजबूती जी मुगलसेना का सामना किया एवं अन्त में लड़ती हुई मारी गई।
* इसका पुत्र वीरनारायण वहाँ का शासक था।

1567-68 : चित्तौड़

1572-73 : गुजरात अभियान
* अकबर ने गुजरात के शासक मुजफ्फर III को पराजित किया।
* गुजरात अभियान की याद में बुलन्द दरवाजे का निर्माण करवाया।
* इतिहासकार स्मिथ ने गुजरात अभियान को विश्व का सबसे द्रुत

गांत से किया गया अभियान बताया है।
* सीकरी का नाम फतेहपुर सीकरी कर दिया।
→ कैम्बे (खम्भात की खाड़ी) में अकबर ने पहली बार समुद्र देखा।

1581 : काबुल
* अपने चचेरे भाई मिर्जा हकीम को पराजित किया एवं बख्तुनिशा को वहाँ का गवर्नर बनाया।
* 1586 में मानसिंह को वहाँ का गवर्नर नियुक्त किया।

1586 : कश्मीर अभियान
* बीरबल युसफजाई कबीले से लड़ता हुआ मारा गया।

1591 : सिन्ध

1592 : उड़ीसा

1595 : कन्धार एवं बलूचिस्तान

1601 : खानदेश (MH)
* अकबर ने असीरगढ़ के किले को सोने की चाबियों से खोला था [भ्रष्टाचार]
* यह अकबर का अन्तिम अभियान था।

अकबर के नवरत्न :-

mains Imp.

① तानसेन :-
* वास्तविक नाम = रामतनु पाण्डेय
* शिक्षा = ग्वालियर संगीत शिक्षा विद्यालय
* पहले रीवा के राजा रामचन्द्र के दरबार में थे।
* गुरु = हरिदास जी
* 2^{nd} गुरु = मोहम्मद गौस
  • इनसे प्रभावित होकर इस्लाम अपनाया।
* उपाधि = कंठाभरणवाणीविलास
* तानसेन ने ध्रुपद गायकी का विकास किया।
* नई राग एवं रागिनियाँ बनाई।

* मियाँ का मल्हार
* मियाँ की टोड़ी
* मियाँ की सारंग
* दरबारी कान्हड़ा

} राग

* तानसेन का मकबरा = ग्वालियर

② बीरबल :-

वास्तविक नाम = महेश दास

उपाधि = राजा

* 1583 :- न्याय विभाग का प्रमुख बनाया।

③ अबुल फजल :-

पिता = शेख मुबारक

बड़ा भाई = फैजी

Imp. जन्म स्थान = नागौर

पुस्तक = अकबरनामा

(i) अकबरनामा I

(ii) अकबरनामा II

(iii) आइन ए अकबरी

* 1602 :- जहाँगीर के कहने पर वीर सिंह बुंदेला ने इसकी हत्या कर दी।

④ फैजी :-

जन्म स्थान = नागौर

उपाधि = राजकवि

* महाभारत का फारसी में अनुवाद किया जिसे "रज्मनामा" कहा जाता है

अनुवादक -

(i) नकीब खाँ

(ii) अब्दुल कादिर बदायूँनी

* इसने रामायण का अनुवाद किया।

* इसने लीलावती का अनुवाद किया [फारसी में]

⑤ अब्दुल रहीम खान खाना :-

उपाधि = खान खाना

* यह बैरामखाँ का पुत्र था।
* यह जहाँगीर का गुरू था।
* यह हिन्दी भाषा के कवि था।
* पुस्तक :- बैरवे नायिका का भेद

⑥ टोडरमल :-

उपाधी = राजा

* पहले गुजरात का दीवान नियुक्त किया था।
* कालान्तर में केन्द्र में दीवान नियुक्त किया गया।
* टोडरमल ने भू-राजस्व सुधार किये।
* इसने "आईन ए दहशाला" पद्धति को लागू किया।

⑦ मानसिंह :-

* आमेर का शासक था।

⑧ मिर्जा अजीज कोका :-

⑨ फकीर अजीओद्दीन :-

⑩ मुल्ला दो प्याजा

⑪ हकीम हुकाम :-

* यह खानसामा (Cook) था।

अकबर की धार्मिक नीति :-

① अकबर ने सुलहएकुल की नीति को अपनाया।

② 1562 :- युद्ध बंदियों के धर्मांतरण पर रोक

③ 1562 :- दास प्रथा पर रोक

④ 1563 :- तीर्थयात्रा कर को समाप्त किया

⑤ 1564 :- जजिया कर समाप्त

⑥ 1575 : इबादतखाने की स्थापना

* मुस्लिम विद्वानों को आमंत्रित किया गया।

⑦ 1578 : धर्म संसद की स्थापना

* अन्य धर्मों के विद्वानों को आमंत्रित किया गया।

(i) हिन्दू धर्म :-

(a) देवी

(b) पुरुषोत्तम

(ii) पारसी :-

(a) दस्तूरजी मेहरजी राणा

• अकबर ने इन्हें दरबार में अग्नि जलाने की अनुमति दी।

(iii) जैन :-

(a) हरिविजय सूरि

(b) जिनचन्द्र सूरि

(iv) ईसाई :-

(a) एक्वाबीवा

(b) मोन्सेरात

⑧ 1579 :- "महजर" की घोषणा

* शेख मुबारक ने महजर का प्रारूप तैयार किया था।

⑨ 1582 :- दीन ए इलाही की स्थापना / तौहिद ए इलाही

* अकबर इसका प्रमुख था।
* प्रधान पुरोहित = अबुल फजल
* पवित्र दिन = रविवार
* सबसे पवित्र = प्रकाश
* मात्र 18 लोगों ने इसे अपनाया।
* बीरबल इकलौता हिन्दू था।
* यह एक आचार संहिता थी।
* इसमें पैगम्बर, पवित्र पुस्तक, पवित्र स्थान, विचारधारा का अभाव है।
* इतिहासकार स्मिथ के अनुसार यह अकबर की मूर्खता का प्रतीक है।

सलीम का विद्रोह :-

सलीम ने अकबर के खिलाफ 2 बार विद्रोह किया और इलाहाबाद चला गया।

जहाँगीर :- [1605 - 27]

→ बचपन का नाम = सलीम (शेखू बाबा)

→ माता = हरखाबाई

→ पत्नी = मानबाई

* मानसिंह (आमेर) की बहन थी।
* इसके पुत्र का नाम खुसरो था।
  ↓ most handsome prince of this era.
* शाह बेगम के रूप में प्रसिद्ध थी।
* जहाँगीर की आदतों से परेशान होकर आत्महत्या कर ली

→ दूसरी पत्नी = जोधा बाई / मानीबाई

* जगत गोसाई के रूप में प्रसिद्ध
* इसका पुत्र = खुर्रम (शाहजहाँ)

→ जहाँगीर ने राज्याभिषेक के समय 12 घोषणाएँ की।

→ उसने न्याय की जंजीर (सोने की) लगवायी जिसमें 66 घंटियाँ थीं।

→ 1606 - खुसरो का विद्रोह

* खुसरो को मामा मानसिंह तथा ससुर मिर्जा अजीज कोका का सहयोग प्राप्त था।
* गुरु अर्जुनदेव जी ने खुसरो को आशीर्वाद प्रदान किया था। इस कारण जहाँगीर ने अर्जुनदेव जी (5 वें गुरु) की हत्या करवा दी एवं "सिख - मुगल संघर्ष" आरंभ हो गया।

भैरोंवल का युद्ध :-

खुसरो पराजित हुआ एवं उसकी आँखें फोड़ दी गई।

1621 - शाहजहाँ ने बुरहानपुर में खुसरो की हत्या कर दी।

1608 - कैप्टन हॉकिन्स भारत आया [हैक्टर नामक जहाज में]

1609 - आगरा में जहाँगीर से मिला।

इसे फारसी भाषा का ज्ञान था।

जहाँगीर ने इसे 400 का मनसब दिया।

यह 3 साल तक आगरा में रुका लेकिन व्यापारिक रियायतें प्राप्त करने में असफल रहा।

1615 - सर टॉमस रो भारत आया।

Imp.

1616 - अजमेर में जहाँगीर से मिला।

* जहाँगीर ने इसे व्यापारिक रियायतें प्रदान की।

1615 :- खुर्रम ने मेवाड़ के साथ सन्धि की।

1617 :- खुर्रम ने अहमदनगर के साथ सन्धि की।

* जहाँगीर ने खुर्रम को "शाह-ए-जहाँ" की उपाधि दी।

1611-22 :- **नूरजहाँ जुंटा**

* नूरजहाँ का वास्तविक नाम = मेहरुन्निसा
* नूरजहाँ के पति = अली कुली बेग
  - जहाँगीर ने अली कुली बेग को "शेर-ए-अफगान" की उपाधि दी एवं उसकी हत्या करवा दी।
* जहाँगीर ने मेहरुन्निसा को "नूर-ए-जहाँ" की उपाधि दी।

* नूरजहाँ जुंटा के अन्य सदस्य :-

① पिता ग्यासबेग : उपाधि - एतमाद् उद् दौला

② माता अस्मत बेगम : इसने इत्र का आविष्कार किया

③ भाई आसफ खाँ

④ शाहजहाँ

* इस समय सभी शक्तियाँ नूरजहाँ के पास थीं।
* नूरजहाँ शाही फरमानों पर हस्ताक्षर करती थीं।
* नूरजहाँ झरोखा दर्शन देती थी।

* नूरजहाँ ने अपनी बेटी लाडली बेगम का विवाह शहरयार से करवा दिया।
* नूरजहाँ जुंटा में आपसी फूट पड़ गई [आसफ खाँ व नूरजहाँ]

1622 :- शाहजहाँ का विद्रोह [दक्कन]

* महावत खाँ एवं परवेज (जहाँगीर का बेटा) ने इसका दमन किया।

1626 :- महावत खाँ का विद्रोह

* महावत खाँ परवेज का समर्थक था।
* महावत खाँ ने जहाँगीर को बंदी बना लिया [नजरबन्द]
* आसफ खाँ व नूरजहाँ ने महावत खाँ पर आक्रमण किया पर पराजित हुये।
* महावत खाँ ने नूरजहाँ को भी बन्दी बना लिया।
* नूरजहाँ जहाँगीर को लेकर भाग गयी।

1627 :- जहाँगीर की मृत्यु

<u>नोट</u> :- ① जहाँगीर ने तम्बाकू की खेती पर प्रतिबन्ध लगाया।

② जहाँगीर ने बंगाल में बच्चों के व्यापार पर प्रतिबन्ध लगाया।

<u>शाहजहाँ [1627-58]</u> :-

→ शहरयार ने नूरजहाँ की सहायता से लाहौर में स्वयं को बादशाह घोषित किया।

→ आसफ खाँ ने खुसरो के पुत्र दावरबख्श को आगरा में बादशाह घोषित किया।

→ शाहजहाँ ने शहरयार तथा दावरबख्श व मुगल परिवार के सभी पुरुष सदस्यों की हत्या करवा दीं।

→ दावरबख्श को इतिहास में "बलि का बकरा" (Scapeiot) कहा जाता है।

खान ए जहाँ लोदी का विद्रोह - 1628

* यह मालवा का सूबेदार था।

जुझार बुन्देला का विद्रोह :- 1627-28
↓
सिंह

पुर्तगालियों का विद्रोह :- 1631, 1632
* इन्होनें हुगली में विद्रोह किया।
* शाहजहाँ ने इसका दमन करवाया एवं पुर्तगालियों के सभी धार्मिक स्थलों को नष्ट करवा दिया।
* आगरा के चर्च को तुड़वा दिया।

1636 :- अहमदनगर का विलय
* औरंगजेब को दक्कन का सूबेदार नियुक्त किया गया।

1644 :- औरंगजेब जहाँआरा से मिलने आगरा आया।
* शाहजहाँ ने औरंगजेब से दक्कन की सूबेदारी छीन ली।

→ शाहजहाँ ने दक्षिण एशिया नीति को अपनाया था लेकिन स्थानीय लोगों के असहयोग के कारण यह नीति असफल रही।

→ औरंगजेब को गुजरात का गवर्नर नियुक्त किया गया।

→ 1653 - औरंगजेब को दक्कन का गवर्नर नियुक्त किया गया।

→ औरंगजेब ने दक्कन में मुर्शीद कुली खाँ की सहायता से भू-राजस्व सुधार किए थे।

→ मुर्शीद कुली खाँ को "दक्कन का टोडरमल" कहा जाता है।

→ शाहजहाँ ने संगीतकार खुशहाल खाँ को दरबार से निकाल दिया था।

उत्तराधिकार का संघर्ष :-
* शाहजहाँ ने दारा को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था।

बहादुरपुर का युद्ध :- 1658
(UP)

दारा V/s शूजा
↓
सेनापति = जयसिंह
सुलेमान शिकोह

* दारा जीत गया।

धरमत (MP) का युद्ध :- 1658

दारा V/S औरंगजेब ✓
मुराद

↓

जसवन्त सिंह
कासिम खाँ

* कासिम खाँ युद्ध में निष्क्रिय रहा।

सामूगढ़ (UP) का युद्ध :- 1658

दारा V/S औरंगजेब
मुराद

* दारा हार गया।
* इस युद्ध के पश्चात् मुराद को बन्दी बना लिया गया।

खजुहा (Bihar) का युद्ध : 1659

औरंगजेब V/S शूजा
↓
जीत गया।

* शूजा भागकर म्यांमार चला गया एवं अराकनयोमा की पहाड़ियों में इसकी मृत्यु हो गई।

दौराई (Raj.) का युद्ध :- 1659

औरंगजेब V/S दारा
↓
जीत गया।

→ शाहजहाँ को नजरबन्द किया गया था [आगरा में]
→ 1666 में उसकी मृत्यु हुई।

शाहजहाँ की धार्मिक नीति :-

→ शाहजहाँ ने मन्दिर तुड़वाये।
→ शाहजहाँ ने धर्मांतरण विभाग की स्थापना की।
→ मुस्लिम लड़की से विवाह करने पर प्रतिबन्ध था।
→ हिन्दू किसी मुस्लिम को अपना नौकर (गुलाम) नहीं रख सकते।
→ इसने सिजदा एवं पैबोस प्रथा पर प्रतिबन्ध लगाया।

→ गोहत्या पर से प्रतिबन्ध हटा दिया।

दारा शिकोह :- mains

→ यह एक सहिष्णु व्यक्ति था।

→ उसके अनुसार हिन्दू धर्म तथा इस्लाम धर्म एक ही ईश्वर को पाने के अलग - अलग रास्ते हैं।

→ उसने भगवद्गीता एवं योग वशिष्ठ का फारसी में अनुवाद किया।

→ इसने 52 उपनिषदों का "सिर्र ए अकबर" (महान् रहस्य) नाम से फार्सी भाषा में अनुवाद किया।

→ इसने "मज्म उल बहरैन" (बहरीन) [दो महासागरों का मिलन] की रचना की।

→ यह कादिरी सिलसिला का अनुयायी था।

→ इसकी पुस्तकें :-

① सफीनत उल औलिया

② सकीनत उल औलिया

③ रिसाला ए हकनुमा

④ हसनात उल आरफीन

⑤ तरीकत उल हकीकत

→ दारा को हुमायूं के मकबरे (दिल्ली) में दफनाया गया।

औरंगजेब :- [1658-1707]

→ इसका बचपन नूरजहाँ के पास बीता था।

→ यह धार्मिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था।

→ इसे "शाही दरवेश" एवं "जिन्दा पीर" कहा जाता था।

विद्रोह :-

① छत्रसाल का विद्रोह :-
(↓ बुन्देला)

* इसे चम्पतराय ने आरम्भ किया था।
* छत्रसाल ने इसे जारी रखा।
* बुन्देलों की राजधानी = ओरछा (MP)

• आरछा की मुख्य इमारते :-

1. राजा राममन्दिर
2. चतुर्भुज मन्दिर
3. शारदा मन्दिर
4. जहाँगीर का महल
5. लक्ष्मीनारायण मन्दिर

② सतनामी विद्रोह :-

* इसका केन्द्र नारनौल (HR) में था।
* इसे मुण्डिया विद्रोह भी कहा जाता है।
* सतनामी संप्रदाय का प्रभाव हरियाणा एवं राजस्थान के कुछ भागों में था।

③ मारवाड़ का विद्रोह

④ जाट किसानों का विद्रोह

⑤ अकबर का विद्रोह

* अकबर ने नाडोल (पाली) में विद्रोह कर दिया।
* अजमेर के पास अकबर की सेना व औरंगजेब की सेना का सामना हुआ।
* अकबर भागकर दक्कन चला गया।
* औरंगजेब ने अकबर का पीछा किया एवं अपनी दक्कन नीति को जारी रखा।
* 1686 में बीजापुर व 1687 में गोलकुण्डा का विलय मुगल साम्राज्य में किया।
* अकबर भागकर फारस चला गया तथा वहाँ उसकी मृत्यु हो गई।

⑥ सिक्ख विद्रोह :-

* औरंगजेब ने 9th गुरु तेग बहादुर को मृत्यु दण्ड दे दिया।
* तेग बहादुर जी के बारे में कहा जाता है :-
  "सिर दे दिया लेकिन सार नहीं दिया"
* तेग बहादुर जी के अनुयायियों ने "शीशगंज गुरुद्वारा" का निर्माण करवाया
* गुरु गोविन्द सिंह ने विद्रोह को जारी रखा।

अभियान :-

① अहोम अभियान :-

* औरंगजेब ने मीर जुमला को बंगाल का गवर्नर नियुक्त किया।
* मीर जुमला ने अहोम (असम) के विरुद्ध अभियान चलाया लेकिन मीर जुमला लड़ता हुआ मारा गया।
* मीर जुमला ईरान का व्यापारी था।
* इसने आरम्भ में गोलकुण्डा (A.P.) के शासक को अपनी सेवाएँ प्रदान की।
* कालान्तर में शाइस्ता खाँ को बंगाल का गवर्नर नियुक्त किया।
* अहोम सेनापति लचीत बोरफुकन ने मुगलसेना को बुरी तरह से पराजित किया।

② दक्कन अभियान :-

* औरंगजेब ने शाइस्ता खाँ को दक्कन का गवर्नर नियुक्त किया।
* आरम्भ में शाइस्ता खाँ ने शिवाजी पर नियंत्रण स्थापित किया लेकिन 1663 में शिवाजी ने पुणे पर आक्रमण किया एवं शाइस्ता खाँ को पराजित किया।
* शाइस्ता खाँ भाग गया।
* शिवाजी ने उसकी अंगुलियाँ काट दीं।
* औरंगजेब ने जयसिंह को दक्कन का गवर्नर नियुक्त किया।
* जयसिंह ने पुरन्दर की सन्धि की।

धार्मिक नीति :-

① औरंगजेब ने जजिया कर को पुनः लागू किया।

② (Imp.) इसने सिक्कों पर कलमा खुदवाना बन्द करवाया।

③ इसने ईरानी परम्पराओं को बन्द करवाया।

(a) तुलादान
(b) झरोखा
(c) नवरोज
(d) ताजिया

④ इसने तिलक प्रथा पर प्रतिबन्ध लगाया।

⑤ इसने सती प्रथा को प्रतिबन्धित किया।

⑥ इसने मुहतसिब नामक अधिकारी की नियुक्ति की जो मुसलमानों के धार्मिक व नैतिक आचरण की देखरेख करता था। 62.
Imp.

⑦ इसने मन्दिर तुड़वाये।

मुगलकालीन mains
स्थापत्य कला :-

→ मुगलकाल में इण्डो इस्लामिक शैली का विकास हुआ।

① बाबर :-

(a) पानीपत की ईंटों की मस्जिद

(b) आरामबाग (Agra)

* बाबर को आरम्भ में यहीं दफनाया गया था।

* कालान्तर में उसके शव को काबुल भेजा गया।

② हुमायूं :-

(a) दीनपनाह

* यहाँ शेरमण्डल पुस्तकालय था।

③ अकबर :-

(a) हुमायूं का मकबरा (दिल्ली)

* इसका निर्माण हाजी बेगम ने करवाया था।

* वास्तुकार = मिरख मिर्जा ग्यास बेग → फारसी वास्तुकार

* यह यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है।

* विशेषताएँ :-

(i) चारबाग शैली

(ii) चारदीवारी

(iii) सममिति

(iv) दोहरा गुम्बद → मुगलकालीन प्रथम इमारत जिस पर दोहरे गुम्बद का निर्माण किया गया है

(v) लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग

(vi) फारसी स्थापत्य कला का प्रभाव

(b) फतेहपुर सीकरी

* वास्तुकार = बहाउद्दीन

*महत्वपूर्ण इमारतें :-

1. दीवान ए आम
2. दीवान ए खास
   - → इसका प्रयोग इबादतखाना एवं धर्म संसद के लिए किया था (गुरुवार को)
   - → इसमें एक विश्व वृक्ष (स्तम्भ) स्थित है।
3. खास महल
   - → अकबर इसका प्रयोग झरोखा दर्शन के लिए करता था।
4. ज्योतिष की छतरी
5. पंचमहल → यह पाँच मंजिला इमारत है।
   यह पिरामिडाकार इमारत है।
   यह स्तम्भों पर टिकी हुई है।
   इसे सीकरी का हवामहल भी कहा जाता है

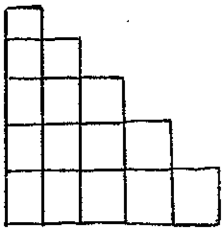

6. तुर्की सुल्ताना की कोठी/महल :- सीकरी का सबसे सुन्दर अलंकरण का कार्य यहाँ किया गया है।

* वुड कार्वीन सबसे ज्यादा बाड़मेर की प्रसिद्ध है।

7. ख्वाबगाह :- ये अकबर का शयनकक्ष था।
   सबसे साधारण इमारत है।
8. मरियम उज्जमानी का महल :- इसमें भित्तिचित्र मिलते हैं।
9. बीरबल का महल :- इस पर हिन्दू प्रभाव दिखता है।
10. जोधा बाई का महल :- सीकरी के शाही परिसर की सबसे बड़ी इमारत

→ उपरोक्त सभी इमारतें एक ही परिसर में स्थित हैं।

→ इनका निर्माण लाल बलुआ पत्थर से किया गया है।

(c) जामा मस्जिद :-

→ इसका दरवाजा बुलन्द दरवाजा है।

→ इसमें सूफी सन्त शेख सलीम चिश्ती की दरगाह/मजार है।

→ इसमें "इस्लाम शाह सूर" की कब्र है।

→ अकबर ने दीन ए इलाही की घोषणा यहीं से की।

(d) ~~हिरण~~ मीनार :-

→ यह हाथी स्मारक है।

→

(e) आगरा का किला :-

→ इसका निर्माण बादलगढ़ के खंडहरों पर करवाया गया।

→ इसके दो द्वार है :-

1. अमरसिंह गेट
2. दिल्ली द्वार

→ प्रमुख इमारतें :-

(i) जोधा बाई का महल

(ii) जहाँगीर महल → • इसका निर्माण जहाँगीर ने करवाया था।
• यह शहतीर/धरणी शैली में बना है।

(f) अजमेर का किला (मैगजीन फोर्ट) :-

(g) इलाहबाद का किला

④ <u>जहाँगीर</u> :-

(i) अकबर का मकबरा (सिकन्दरा → Agra)

* यह गुम्बदविहीन इमारत है।
* यह 5 मंजिला इमारत है।
* इसमें मीनारों का निर्माण किया गया है।

(ii) मरियम उज्जमानी का मकबरा (सिकन्दरा)

Imp. (iii) अब्दुल रहीम खान खाना का मकबरा (Delhi)

(iv) एतमाद उद् दौला का मकबरा

* अस्मत बेगम की कब्र भी यहीं है।
* यह आगरा में स्थित है।
* पहली बार "<u>पित्रा द्यूरा</u>" (In-lay) का कार्य यहीं पर किया गया है।
* इसे बेबी ताज भी कहा जाता है।

⑤ <u>शाहजहाँ</u> :-

→ शाहजहाँ का काल स्थापत्य कला का स्वर्णकाल था।

→ शाहजहाँ के समय पर्णिल मेहराब व अलंकृत मेहराब बनना आरम्भ हो गए।

पर्णिल मेहराब

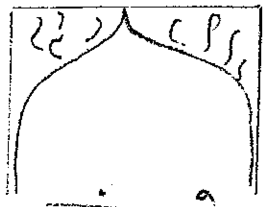

अलंकृत मेहराब

→ शाहजहाँ के समय सफेद संगमरमर का प्रयोग अधिक मात्रा में हुआ।

(i) ताजमहल :-

* हिन्दू - इस्लामिक शैली का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।
* अंग्रेजी इतिहासकारों के अनुसार ऐरोनियो व वेरोनियो (इटली) इसके वास्तुकार थे।
* वास्तुकार :- उस्ताद अहमद लाहौरी
* इशाखाँ की देखरेख में इसका निर्माण पूर्ण हुआ।
* विशेषताएँ :-

(a) चार बाग

(b) चारदीवारी

(c) सममिति

(d) आधार में कुएँ बने हुए हैं।

(e) कंदाकार, गुम्बद (दोहरा)

(f) पित्रा द्यूरा का प्रयोग

(g) संगमरमर की जालियाँ

(ii) आगरा फोर्ट की इमारतें :-

(a) खास महल

(b) दीवान -ए- खास

(c) मोती मस्जिद Imp. (आगरा)

(d) शाहजहाँनाबाद नगर (पुरानी दिल्ली)

(e) लाल किला (Delhi) - हमीद व अहमद (वास्तुकार)

(f) जामा मस्जिद (Delhi)

→ चाँदनी चौक का प्रारूप शाहजहाँ की बेटी जहाँआरा ने बनाया था।

→ जहाँआरा ने जामा मस्जिद (Agra) का निर्माण करवाया।

→ शाहजहाँ ने मयूर सिंहासन (तख्त के ताऊस) बनवाया था।

* कलाकार = बेबादल खाँ

<u>औरंगजेब</u> :-

(i) बीबी का मकबरा (औरंगाबाद)

* यह रबिया उद् दुर्रानी का मकबरा है।

* इसे दक्षिण भारत का ताजमहल कहा जाता है।

* यह ताजमहल की फूहड़ नकल है।

(ii) बादशाही मस्जिद (लाहौर)

(iii) मोती मस्जिद (दिल्ली)

\# <u>सफदरजंग का मकबरा</u> :-

इसमें तिहरा गुम्बद है।

mains मुगलकालीन शिक्षा एवं साहित्य Imp.

→ बाबर ने एक विभाग की स्थापना की जो शिक्षा के केन्द्रों का निर्माण करवाता था - "शुहरत ए आम"

→ हुमायूं एक विद्वान शासक था।

* "शेरमण्डल पुस्तकालय" का निर्माण करवाया।

→ हुमायूं के महाम अनंगा की सहायता से "मदरसा ए बेगम" की स्थापना की

→ अकबर ने "अनुवाद विभाग" की स्थापना की।

→ फैजी ने बदायूंनी एवं नकीबखाँ की सहायता से रामायण एवं महाभारत (रज्मनामा) का फारसी में अनुवाद किया।

→ राजा टोडरमल ने भागवद्पुराण का फारसी में अनुवाद किया।

→ अबुल फजल ने पंचतन्त्र (अनवार ए सुहेली) एवं कालिया दमन का फारसी में अनुवाद किया।

→ अकबर ने फारसी भाषा को अपनी राजकीय भाषा बनाया।

→ मुगलों की मातृभाषा = तुर्की
धार्मिक भाषा = अरबी

→ मुगलकाल में प्राथमिक शिक्षा केन्द्र = मकतब
उच्च शिक्षा केन्द्र = मदरसा

→ दारा शिकोह का योगदान

→ औरंगजेब ने मदरसों की सहायता से हिन्दू विद्यालयों को बन्द करवाने का प्रयास किया।

→ औरंगजेब की बेटी जेबुन्निसा ने "बेतुल उल उलूम" नामक पुस्तकालय व विद्यालय का निर्माण करवाया।

→ विदुषी महिलाएँ :-

1. गुलबदन बेगम
2. महामअनंगा
3. नूरजहाँ
4. अर्जुमन्द बानो बेगम (मुमताज महल)

5. जहाँआरा
6. जेबुन्निसा

साहित्य :-

1. बाबर :-
(i) बाबरनामा
(ii) दीवान
(iii) खत ए बाबरी

} तुर्की भाषा में

2. हुमायूं :-
① गुलबदन बेगम - हुमायूंनामा
* अकबर के परामर्श पर इसे लिखा था।
* अन्तिम पाण्डुलिपि लन्दन के संग्रहालय में रखी गई है।

② जौहर आफताबची - तजकिरात उल वाकयात
* यह हुमायूं का नौकर था।
* अकबर के परामर्श पर यह लिखी गई।

③ खोन्द मीर / अमीर - कानून ए हुमायूंनी

④ मिर्जा हैदर दौगलत - तारीख ए रशीदी

3. अकबर :-
① अबुल फजल :- (i) अकबरनामा I
(ii) अकबरनामा II
(iii) आइन - ए - अकबरी → इसमें अबुल फजल की आत्मकथा भी मिलती है।
(iv) इंशा → अकबर के पत्रों का संकलन

Imp.
② फैजी सरहिन्दी :- अकबरनामा

③ आरिफ कन्धारी - तारीख ए अकबरी

④ बायजीद बयाद - तजकिरा ए हुमायूं
तजकिरा ए अकबर

V.V.I.
⑤ अब्दुल कादिर बदायूंनी - मुन्तखब उल तवारीख
(15W) * इसे भारत का आम इतिहास कहा जाता है।

→ बदायूंनी ने अकबर की धार्मिक नीति की आलोचना की है।
→ इसमें हल्दीघाटी युद्ध का उल्लेख किया गया है।
→ इसमें सूफी सन्तों की जीवनियाँ मिलती हैं।

⑥ अब्बास खाँ शरवानी :- तारीख ए शेरशाही
तोहफा ए अकबरशाही

⑦ निजामुद्दीन अहमद - तबकात ए अकबरी

⑧ अहमद यादगार - तारीख ए शाही

⑨ रिजकुल्लाह मुस्ताकी - वाकयात ए मुस्ताकी

4. जहाँगीर :-

जहाँगीर
मोतमिदखाँ
मो. हाफदी
} तुजुक ए जहाँगीरी

→ मोतमिदखाँ — इकबालनामा ए जहाँगीरी

5. शाहजहाँ :-

① मुहम्मद अमीन कजवीनी - पादशाहनामा I
② अब्दुल्ल हमीद लाहौरी - पादशाहनामा II
③ मुहम्मद वारीस - पादशाहनामा III
④ इनायत खाँ - पादशाहनामा IV (बादशाहनामा)

6. औरंगजेब :- [आलमगीर]

① काजीम सिराजी - आलमगीरनामा
② आकिल खाँ - वाकयात ए आलमगीरी
③ भीमसेन सक्सेना - नुस्खा ए दिलखुशा
④ ईश्वरदास नागर - फुतुहात ए आलमगीर
⑤ सुरजनराय भण्डारी - खुलासत उल तवारीख

✠ कानूनों का संकलन = फतवा ए आलमगीर

mains

मुगलकालीन संगीत :-

→ मुगलकालीन संगीत का वास्तविक विकास अकबर के समय हुआ।

→ अबुल फजल के अनुसार अकबर के दरबार में 36 संगीतकार थे।

→ अकबर के समय "ध्रुपद गायकी" का विकास हुआ जिसमें विशेष योगदान तानसेन का था।

→ तानसेन ने राग - रागिनियों की रचना की :-

1. मियाँ की मल्हार
2. मियाँ की टोडी
3. मियाँ की सारंग
4. दरबारी कान्हड़ा

→ अकबर के दरबार में गोपाल, बाजबहादुर, बेजुबख्श प्रसिद्ध संगीतकार थे।

→ हरिदास जी, तुलसीदास जी, सूरदास जी अकबर के समकालीन थे।

→ ग्वालियर के राजा मानसिंह तंवर ने ध्रुपद गायकी आरम्भ की।

→ औरंभ जहाँगीर के दरबार में हमजान एवं मक्तु प्रमुख संगीतकार थे।

→ "शौकी" एक गजल गायक था।

→ जहाँगीर ने इसे "आनन्द खाँ" की उपाधि दी।

→ शाहजहाँ संगीत गोष्ठियों का आयोजन करवाता था।

प्रमुख संगीतकार :-

1. लाल खाँ कलावन्त :- उपाधि = गुणसमुद्र
2. खुशहाल खाँ

→ औरंगजेब ने संगीतकारों को दरबार से निकाल दिया।

→ संगीतकारों ने संगीत का जनाजा निकाला।

→ संगीत पर सर्वाधिक पुस्तकें औरंगजेब के समय लिखीं गईं।

mains मुगलकालीन चित्रकला :-

→ बाबर ने अपनी आत्मकथा बाबरनामा में हेरात के प्रसिद्ध चित्रकार बिहजाद के नाम का उल्लेख किया है।

→ यह उसकी चित्रकला में रुचि को दर्शाता है।

→ हुमायूं :-

* हुमायूं ने फारस के 2 चित्रकारों को संरक्षण प्रदान किया :-

1. मीर सैय्यद अली तबरीजी :- उपाधि = नादिर उल अस्त्र

2. अब्दु सम्मत :- उपाधि = शीरी कलम

* इस समय "हमजानामा" का चित्रण किया गया।
↓
मो. साहब के चाचा

अकबर :-

* अबुल फजल के अनुसार अकबर के दरबार में 17 चित्रकार थे।

1. दसवन्त :- सबसे प्रमुख चित्रकार
   * यह कहार जाति से था।
   * यह पागल हो गया एवं आत्महत्या कर ली।
   * इसके चित्र रज्मनामा में मिलते हैं।

2. बसावन :-
   * "घोड़े के साथ मजनू का चित्र" इसका प्रसिद्ध चित्र है।

3. मिशकिन :-
   * इसके चित्रों पर यूरोपीय प्रभाव दिखाई देता है।

चित्रकला की विशेषताएँ :-

① इस समय लाल, ~~हरे~~ पीले एवं नीले रंग का प्रयोग होता है।

② पहले केवल हरे रंग का प्रयोग होता था।

③ गोलब्रश का प्रयोग आरम्भ हो गया था।

④ इस समय रज्मनामा, तूतीनामा एवं खानदान ऐ तैमुरिया का चित्रण किया गया।

⑤ भित्ति चित्रण आरम्भ हुआ

→ अकबर ने अब्दु सम्मद को टकसाल का अधिकारी नियुक्त किया।

जहाँगीर :-

→ चित्रकला का स्वर्णकाल

→ तुजुक ए जहाँगीरी के अनुसार जहाँगीर स्वयं एक अच्छा चित्रकार था।

→ इसने आगारिजा खाँ के नेतृत्व में आगरा में चित्रशाला का निर्माण करवाया।

प्रमुख चित्रकार :-

1. उस्ताद मनसूर - साइबेरियन सारस
   बंगाल का अनोखा पुष्प

2. अबुल हसन - इसने तुजुक ए जहाँगीरी का मुख्य पृष्ठ चित्रित किया

→ एक असंख्य गिलहरियों का चित्र मिलता है जो लन्दन के संग्रहालय में रखा है।

3. बिशनदास - इसने फारस का शाह एवं उसके परिवार के छवि चित्र बनाए थे।

4. दौलत - छवि चित्रण में निपुण

5. फारुख बेग - बीजापुर के शासक के छवि चित्र बनाए।

6. मनोहर - यह बसावन का पुत्र था।
   Pre. जहाँगीर ने मनोहर के नाम का उल्लेख अपनी आत्मकथा में नहीं किया है।

विशेषताएँ :-

① इस समय प्रकृति चित्रण एवं युद्ध-दृश्यों के चित्रण पर अधिक बल दिया गया

② ईरानी प्रभाव समाप्त हो गया।

③ भारतीय प्रभाव बढ़ गया।

④ यूरोपीय प्रभाव भी बढ़ गया।

⑤ हाशिया छोड़ना आरम्भ हुआ।

⑥ मोरक्को चित्रण आरम्भ हुआ [एक ही विषय से संबंधित चित्रों का संकलन]

⑦

शाहजहाँ :-

→ इसकी चित्रकला में विशेष रूचि नहीं थी।

→ इस समय चटकीले रंगों का प्रयोग आरम्भ हुआ।

→ प्रमुख चित्रकार :-

1. फकीर उल्लाह
2. हासिम खाँ

औरंगजेब :-

मुगलकालीन प्रशासनिक व्यवस्था

बादशाह :-

→ केन्द्रीकृत, निरकुंश, राजतंत्रात्मक व वंशानुगत शासन व्यवस्था थी।

→ राजत्व के दैवीय सिद्धान्त को मानते थे।

→ अबुल फजल ने बादशाह को फर्र ए इजदी (ईश्वर का प्रकाश) कहा है।

→ अकबर ने एक नए पद का सृजन किया - दीवान ए वजारत ए कुल

→ दीवान / वजीर - वित्त मंत्री

(i) दीवान ए जागीर

(ii) दीवान ए खालसा

(iii) दीवान ए बयुतात / बयुतात - कारखाना अधीक्षक

(iv) दीवान ए तन - वेतन विभाग

(v) दीवान ए तबजीह - सैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था।

(vi) दीवान ए सादात - धार्मिक मामलों का प्रमुख

(vii) मुशरिफ - महालेखाकार

(viii) मुस्तौफी - महालेखापरीक्षक

☆ <u>वकील</u> :- यह शक्तिशाली पद था।

* बहराम खाँ अकबर का वकील था।
* महामअनंगा भी वकील के पद पर रही थी।
* शाहजहाँ ने वकील के पद को समाप्त किया।

→ मीर ए बख्शी :- रक्षा मंत्री

* यह सेना की भर्ती करता था।
* यह सरखत नामक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करता था। (सैनिकों को वेतन मिलता था।)

→ मीर सामा / खानसामा - यह शाही महल की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करता था।

* इसे रसोईया कहा जाता था।

→ काजी / सद्र :- न्यायाधीश एवं धार्मिक मामलों का प्रमुख
→ मुहतसिब :- औरंगजेब ने इसकी नियुक्ति की थी।
→ मीर ए बहर :- नौसेना का प्रमुख
→ मीर ए बर्र :- वन विभाग का प्रमुख
→ मीर ए आतिश - बारूदखाने का प्रमुख
→ मीर ए अर्ज - याचिका विभाग का प्रमुख
→ दारोगा ए डाकचौकी - गुप्तचर विभाग का एवं पत्र विभाग का प्रमुख

(i) खुफियानवीस
(ii) वाकियानवीस
(iii) हरकारा
} गुप्तचर एवं सन्देशवाहक

प्रान्तीय प्रशासन :-

→ अकबर के काल में 12 प्रान्त थे।
→ बाद में 15 हो गए थे।
→ शाहजहाँ के समय 18 प्रान्त थे।
→ औरंगजेब के समय 20 प्रान्त थे।

प्रान्त –
(i) सूबेदार
(ii) दीवान
(iii) बख्शी
(iv) काजी

सरकार –
(i) फौजदार ✓
Revenue officer ← (ii) आमिल गुजार

परगना –
(i) शिकदार ✓
(ii) आमिल गुजार / आमिल → वितिक्ची (Clerk)

गाँव –
(i) चौधरी / खुत / मुक्कदम
Revenue officer ← (ii) पटवारी

सैन्य प्रशासन :-

- सेना
  - अहदी (केन्द्रीय सेना)
    - सवार
      - बरगीर — राज्य अस्त्र-शस्त्र उपलब्ध करवाता था
      - सिलेदार — स्वयं के अस्त्र-शस्त्र
    - पैदल
      - अहशाम — युद्ध सैनिक
      - सेहबन्दी — माल-गुजारी
  - दाखिली (प्रान्तीय सेना)

तोपखाना :-

- तोपखाना
  - दस्ती → हल्की तोपें
  - जिन्सी → भारी तोपें

तोपों के प्रकार -

1. नरनाल
2. गजनाल
3. शुतरनाल → ऊँटों

राजस्व व्यवस्था :-

→ राजस्व का प्रमुख स्रोत भू-राजस्व होता था।

→ अकबर ने भूमि की पैमाइश करवायी एवं उसने इलाही गज का प्रयोग किया।

→ भूमि को 4 भागों में विभाजित किया गया :-

(i) पोलज
(ii) परती
(iii) चचर
(iv) बन्जर

→ प्रत्येक भाग को पुन: 3 भागों में विभाजित किया :-

(a) उत्तम
(b) मध्यम
(c) निम्न

→ अकबर ने आईन ए दहशाला पद्धति को लागू किया।

→ अकबर ने बन्दोबस्त प्रणाली को अपनाया।

→ कालान्तर में/औरंगजेब के समय इजारेदारी व्यवस्था (ठेका प्रणाली) प्रसिद्ध हुई।

मनसबदारी व्यवस्था :-

→ अकबर ने मनसबदारी व्यवस्था मंगोलो (उजबेको) से ग्रहण की।

→ अकबर ने सभी अधिकारियों को मनसब प्रदान किये।

→ मनसबदारी व्यवस्था दशमलव पद्धति पर आधारित थी।

→ सबसे छोटा मनसब = 10

→ सबसे बड़ा मनसब = 10000

→ 5000 से अधिक का मनसब केवल शाही परिवार के सदस्यों को दिया जाता था।

* अपवाद :- (i) मानसिंह (7000)
(ii) मिर्जा अजीज कोका (7000)
(iii) जहाँगीर (12000)

* 10 - 500 ⇒ मनसबदार
500 - 2500 ⇒ अमीर
2500 से अधिक ⇒ अमीर ए आजम / उमरा

→ 1593 में मनसब को दो भागों में विभाजित किया गया।

मनसब
- जात ↓ पद व वेतन की जानकारी
- सवार ↓ सैनिक संख्या

* सवार पद जात पद से अधिक नहीं हो सकता था।

→ जहाँगीर के समय दु-अस्फा एवं सी-अस्फा का प्रचलन आरम्भ हुआ।
दु-अस्फा ↓ दुगुने घोड़े
सी-अस्फा ↓ तिगुने घोड़े

→ औरंगजेब के समय मशरूद का प्रयोग बढ़ गया था।
↓
सैनिकों (सेना) की संख्या में अस्थायी वृद्धि

→ अमीर वर्ग :-

1. अरब
2. तुरानी
3. अफगान
4. मराठा → जहाँगीर के समय अमीर वर्ग में शामिल हुये।
5. शेखजादे → भारतीय अमीर
6. खानजादे → अमीरों के पुत्र

→ किसान वर्ग :-

1. खुदकास्त – खुद की जमीन
2. पाहीकास्त – पड़ौसी की जमीन
3. मुजारियम – खुद + पड़ौसी की जमीन (Imp)

<u>नोट</u> :- ① <u>राजगमिता कानून</u> :-

मनसबदार की मृत्यु के पश्चात उसकी सम्पत्ति को सीज कर दिया जाता था।

② अलतमगा जागीर –
जहाँगीर के समय वंशानुगत रूप से दी जाने वाली जागीर

③ पैबाकी / पायबाकी -
जागीर देने हेतु रखी गई आरक्षित भूमि

④ सयुरगल / मदद ए माशा
धार्मिक अनुदान में दी जाने वाली भूमि

(i) एम्मा : व्यक्तिगत अनुदान
(ii) वक्फ : समाज को दिया जाने वाला अनुदान

विजयनगर साम्राज्य - 1336

संस्थापक - हरिहर तथा बुक्का

* हरिहर एवं बुक्का पहले काकतीय वंश के शासक की सेवा में थे
* युद्ध बंदी बनाए गए (MBT द्वारा)
* दोनों ने इस्लाम स्वीकार किया
* द. भारत के विद्रोहों का दमन करने हेतु गए
* विद्यारण्य ने इन्हें हिन्दु धर्म में दीक्षित किया।
* हरिहर एवं बुक्का ने विद्यारण्य व सायण की सहायता से विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की (तुंगभद्रा नदी के दक्षिणी छोर पर अन्नेगोड़ी नामक स्थान पर)

→ विजयनगर का आधुनिक नाम = हम्पी

→ इनके पिता का नाम संगम था।

संगम वंश	[1336 - 1485]
सालुव वंश	[1485 - 1505]
तुलुव वंश	[1505 - 1570]
अराविदु वंश	[1570 - ---]

← संगम वंश →

हरिहर [1336 - 56] -

* विजयनगर को अपनी राजधानी बनाया।
* इसे "2 समुद्रों का स्वामी" कहा जाता है।
* बुक्का के पुत्र कम्पा ने मदुरै को विजित कर लिया।
* कम्पा की पत्नी गंगादेवी ने "मदुरैविजयम" की रचना की।

बुक्का [1356 - 77] -

* उपाधि = वेदमार्गप्रतिष्ठापक
* बुक्का ने दक्षिण भारत में वैदिक संस्कृति को प्रसारित किया (सायण की सहायता से)

सायण – वेदों का भाष्याकार

→ इसे "तीन समुद्र का स्वामी" कहते हैं।

हरिहर II :- [1377-1404]

→ उपाधि = महाराजाधिराज

☆ हरिहर एवं बुक्का ने महाराजाधिराज उपाधि धारण नहीं की।

देवराय I :-

→ इटली के यात्री निकोलो कोंटी ने विजयनगर की यात्रा की [सपत्नी]

→ निकोलो कोंटी के अनुसार देवराय I ने तुंगभद्रा नदी पर बाँध का निर्माण करवाया एवं नहरों का निर्माण करवाया।

देवराय II :-

→ उपाधि = इम्माडि देवराय (शक्तिशाली)
गजबेटकर (हाथी का शिकारी)

→ इस वंश का सबसे शक्तिशाली शासक

→ इसने बड़े स्तर पर तुर्क धनुर्धरों को अपनी सेना में भर्ती किया एवं एक मस्जिद का निर्माण करवाया।

→ इसके समय फारस का दूत अब्दुल्ल रज्जाक विजयनगर आया।

→ अब्दुल्ल रज्जाक विजयनगर की प्रशंसा करता है।

→ देवराय II एक विद्वान शासक था।
महानाटक = सुधानिधि

→ इसने पतंजलि के महाभाष्य पर एक टीका लिखी।

→ इसके मन्त्री लकन्ना को "समुद्र का स्वामी" कहा जाता था।

→ इसने समुद्री व्यापार विशेष बल दिया।

विरूपाक्ष II :-

→ अन्तिम शासक

→ सालुव वंश के नरसिंह ने

→ चन्द्रनगर के गवर्नर सालुव नरसिंह ने नए वंश की स्थापना की।

सालुव वंश
[1485-1505]

सालुव नरसिंह :- [1485-91]

→ इसका सेनापति नरसा नायक था।

→ नरसा –

इम्माड़ि नरसिंह :-

→ वास्तविक शक्तियाँ नरसा नायक के पास थी।

→ नरसा नायक ने इम्माड़ि नरसिंह को पेनुकोण्डा के किले में कैद कर दिया।

→ नरसा नायक के पुत्र वीर नरसिंह ने इम्माड़ि नरसिंह की हत्या कर दी।

तुलुव वंश
[1505-70]

वीर नरसिंह :- [1505-09]

→ इसने अपनी प्रजा को युद्धप्रिय बनाया।

कृष्णदेव राय [1509-29]

→ उड़ीसा के गजपति को 4 बार पराजित किया।

→ गजपति की बेटी से विवाह किया।

→ इसने पुर्तगालियों से मित्रता की।

→ पुर्तगाली गवर्नर अल्बुकर्क उसका मित्र था।

→ इसने पुर्तगालियों को भटकल में किला बनाने की अनुमति प्रदान की।

→ पुर्तगालियों ने बीजापुर से गोवा को छीन लिया।

→ डोमिंगो पायस, बारबोसा, लुई } - पुर्तगालियों ने विजयनगर की यात्रा की।

Imp. mains
→ यह एक विद्वान शासक था।

→ उपाधि :-
(i) अभिनव भोज
(ii) आन्ध्र भोज

→ पुस्तक :-
(i) आमुक्त माल्यद - भाषा = तेलगू
* पाँच तेलगू महाकाव्यों में से एक
* इसमें वैष्णव धर्म की जानकारी मिलती है।

(ii) उषा परिणय
(iii) जाम्बवती कल्याणम्
} संस्कृत

→ इसके समय तेलगू, संस्कृत, कन्नड़ तीनों भाषाओं में साहित्य की रचना हुई।

→ इसे तेलगू भाषा का क्लासिकी युग (Golden era) कहा जाता है।

→ इसके दरबार में अष्ठ-दिग्गज थे।

→ 1. अलासीन पेडन्ना / पेदन्ना :- इसे तेलगू कविता का पितामह कहा जाता है
* पुस्तक :-
हरिकथा सार
मनु चरित्र

→ 2. तेनाली रामा कृष्णा :- पाण्डुरंग महात्मय
* तेलगू भाषा के 5 महाकाव्यों में से एक

3. धुर्जटि :- कालहस्ति महात्मय

4. नन्दी तिम्मन :- परिजात हरण

5. भट्टमूर्ति :- नरस भूपालियम

6. अय्यल राजूरामचन्द्र :- रामाभ्युदियम

7. पिंगली सुरन

→ कृष्णदेव राय ने विठ्ठल मन्दिर का निर्माण करवाया।

→ इसने मन्दिरों व ब्राह्मणों को भूमि का अनुदान दिया जिन्हें देवदेय व ब्रह्मदेय कहा जाता था।

→ इससे शिक्षा का विकास हुआ / मन्दिर शिक्षा केन्द्र के रूप में विकसित हुये।

अच्युत देवराय :-

→ इसने अपना राज्याभिषेक तिरूपति बालाजी मन्दिर में करवाया।

→ इसने मंडलेश्वर नामक अधिकारी की नियुक्ति की।

→ पुर्तगाली यात्री नुनीज ने विजयनगर की यात्रा की।

सदाशिव :-

→ संरक्षक = रामराय

→ रामराय पड़ोसी राज्यों के मामले में अत्यधिक हस्तक्षेप करता था।

तालीकोटा / राक्षस तगंड़ी / बन्ने हट्टी का युद्ध - 1565

विजयनगर v/s बीजापुर (नेतृत्वकर्त्ता)
अहमदनगर
गोलकुण्डा
बीदर

Imp. ☆ बरार ने इस युद्ध में हिस्सा नहीं लिया था।

* रायराय लड़ता हुआ मारा गया।

अराविडु वंश
1570

संस्थापक = तिरूमल

विजयनगर की प्रशासनिक व्यवस्था :-

→ केन्द्रीकृत , निरंकुश शासन व्यवस्था

→ राजत्व के दैवीय सिद्धान्त को मानते थे।

→ राज्याभिषेक मन्दिरों में करवाते थे।

→ चाणक्य के "सप्तांग सिद्धान्त" को मानते थे।

1. राजा
2. क्षेत्र
3. अमात्य
4. सेना
5. दुर्ग
6. कोष
7. मित्र

→ बड़े अधिकारी = दण्डनायक

→ छोटे अधिकारी = कार्यकर्त्ता

प्रान्तीय प्रशासन :- विजयनगर साम्राज्य

→ कृष्णदेव राय के समय प्रान्तीय प्रशासन 6 प्रान्तों में विभाजित था।

→ केवल शाही परिवार के सदस्यों को गवर्नर के रूप में नियुक्त किया जाता

→ उन्हें सिक्के चलाने का अधिकार था।

→ प्रान्तपतियों को भूमि देने का अधिकार होता था।

नायकर प्रथा :-

* अधिकारियों को उनकी सेवा के बदले भूमि दी जाती है।
* भूमि को अमरम कहा जाता था एवं नायक को अमरनायक कहा जाता था।

आयंगर व्यवस्था :-

* गाँवों के प्रशासनिक व न्यायिक उत्तरदायित्व के निर्वहन हेतु 12 सदस्य होते थे जिन्हें आयंगर कहा जाता था।
* आयंगर पद को बेचा जा सकता था।
* यह पद वंशानुगत होता था।

सामाजिक स्थिति :-

→ समाज स्पष्टत: 4 वर्णों में विभाजित नहीं था ।
→ ब्राह्मण प्रशासनिक कार्य करते थे ।
→ दास व्यापार = वेसवाग
→ कारीगर = वीर पांचाल
→ उत्तर भारतीयों को "बड़वा" कहते थे ।
→ महिलाओं की स्थिति अच्छी थी ।
→ महिलाओं को अंगरक्षकों के रूप में नियुक्त किया जाता था ।
→ महिलाओं को प्रशासनिक पदों पर नियुक्त किया जाता है ।
→ विदेश यात्रियों के अनुसार सती प्रथा का प्रचलन था ।
→ देवदासी प्रथा का प्रचलन था ।
→ वेश्यावृत्ति का प्रचलन था ।

---

mains

स्थापत्य कला :-

→ पल्लव :- मन्दिर स्थापत्य कला का आरम्भ
द्रविड़

चोल :- विमान

पा... :- गोपुरम

विजयनगर - अलंकृत स्तम्भ
कल्याण मण्डप
अम्मान मन्दिर
गोपुरमों के अलंकरण पर विशेष बल दिया गया

→ देवराय II ने हजारा स्वामी मन्दिर का निर्माण करवाया ।
→ कृष्णदेवराय ने विट्ठल मन्दिर का निर्माण करवाया एवं नागलपुर मन्दि नामक शहर बसाया ।
→ अच्युत देवराय ने अच्युत देवराय मन्दिर का निर्माण करवाया ।
* यहाँ का प्रमुख आकर्षण विरूपाक्ष मन्दिर तथा लोटस महल है ।
* विरूपाक्ष मन्दिर का पुनर्निमाण विजयनगर साम्राज्य के समय हुआ ।

बहमनी साम्राज्य

1347

संस्थापक = अमीरान ए सादाह/सादा

☆ इब्नबतूता ने अपनी पुस्तक 'रेहला' में अमीरान ए सादाह का उल्लेख किया है।

→ अमीरान ए सादाह ने इस्माइल मुख को अपना नेता चुना।

→ इस्माइल मुख ने हसन/जफर को शासक बनाया।

→ हसन अलाउद्दीन बहमनशाह के नाम से शासक बना।

→ राजधानी = गुलबर्गा

1. फिरोज :-

→ यह एक विद्वान शासक था।

→ भीमा नदी के तट पर फिरोजाबाद शहर बसाया।

2. अहमद :-

→ यह वली अहमद एवं सन्त अहमद के रूप में प्रसिद्ध था।

→ इसने बीदर को अपनी राजधानी बनाया।

Imp.
3. हुमायूं :-

→ यह एक ज़ालिम, क्रूर शासक था।

→ इसे "दक्कन का नीरो" कहा जाता है।

☆ हर्ष को कश्मीर का नीरो कहा जाता है।

4. मोहम्मद III :-

→ इसका वजीर "महमूद गंवा" था [ईरानी]

→ गंवा ने बहमनी साम्राज्य को शक्तिशाली बनाया था।

→ गंवा ने विजयनगर से गोवा को जीत लिया।

→ यह बहमनी साम्राज्य का स्वर्णकाल था।

→ गंवा ने बीदर को शिक्षा के केन्द्र के रूप में विकसित किया एवं वि.वि. का निर्माण करवाया।

→ गंवा पड़ोसी राज्यों से पत्राचार करता था।
→ पत्रों का संकलन = रिजायुल इंशा
→ गंवा षड्यंत्र का शिकार हुआ एवं मुहम्मद ने उसे मृत्युदण्ड दे दिया।
→ मोहम्मद III ने भी आत्महत्या कर ली।

मुहम्मद :-

→ सभी आर्थिक शक्तियों पर अमीर अली बरीद का अधिकार था।
→ अमीर अली बरीद को दक्कन की लोमड़ी कहा जाता है।
→ बहमनी साम्राज्य 5 भागों में विभाजित हो गया :-

1. बरार	फतह उल्लाह इमाद शाह	इमादशाही वंश
2. ~~बीजापुर~~	युसुफ आदिलशाह	आदिलशाही वंश
3. अहमदनगर	मलिक अहमद निजाम	निजामशाही वंश
4. गोलकुण्डा	कुली कुतुबशाह	कुतुबशाही वंश
5. बीदर	अमीर अली बरीद	बरीदशाही वंश

<u>बीजापुर</u> :-

संस्थापक = युसुफ आदिलशाह

Imp. main. इब्राहिम आदिलशाह *

* यह जगतगुरु एवं अबला बाबा के नाम से प्रसिद्ध था।
* इसकी पुस्तक = किताब ए नौरस
* नौरसपुर नामक शहर बसाया।
* फरिश्ता इसके समकालीन था।
  पुस्तक : तारीख ए फरिश्ता
* इसने कुछ इमारतों का निर्माण करवाया जिन्हें इब्राहिम का रौजा कहा जाता था।

मो. आदिलशाह :-

→ बीजापुर में स्वयं के मकबरे का निर्माण करवाया जिसे गोलगुम्बज कहा जाता है।

* मध्यकालीन भारत का सबसे बड़ा गुम्बद

गोलकुण्डा :-

संस्थापक = कुली कुतुबशाह

→ इसने हैदराबाद शहर बसाया ।

→ हैदराबाद का प्राचीन नाम हृदयनगर था ।

→ इसने चारमीनार (हैदराबाद) का निर्माण करवाया ।

→ इसे "दक्कनी उर्दु का जन्मदाता " कहा जाता है ।

सूफीवाद

mains

→ सूफीवाद का आरम्भ ईरान से हुआ [7-8 वीं शताब्दी]

→ सफा का शाब्दिक अर्थ = "पवित्रता"
ऊन का धागा

→ यह इस्लाम में सुधारवादी आन्दोलन था ।

→ इसमें संगीत का विशेष महत्व है जिसे समां कहा जाता है ।

→ सूफीवाद में पीर-मुरीद परम्परा का विशेष महत्व है ।

→ खानकाह :- सूफी सन्तों के रहने का स्थान

→ मलफुजात :- सूफी सन्तों के शिक्षाओं एवं जीवन की घटनाओं का संकलन

→ मकतुबात :- सूफी सन्तों के पत्रों का संकलन

→ वलि :- सूफी सन्त का उत्तराधिकारी

→ सिलसिला :- सम्प्रदाय
* सिलसिला का शाब्दिक अर्थ = जंजीर

→ राबिया :- प्रथम महिला सूफी सन्त

→ मंसुर अल हज्जाल - स्वयं को "अनलहक" घोषित किया ।
* अनलहक = "अहम् ब्रह्मास्मि"
* खलीफा ने इसे मृत्युदण्ड दिया ।
* सूफीवाद को "तसव्वुफ" भी कहा जाता है ।

→ अल हुजवीरी - भारत में आने वाले प्रथम सूफी सन्त
* केन्द्र = मुल्तान
* दातागन्जबख्श के रूप में प्रसिद्ध
* पुस्तक = कश्फ उल महजुब
↓
इसे सूफीवाद की बाइबिल कहा जाता है ।

सूफीवाद

- वहदत उल वुजुद
  - ↓ इब्न उल अरबी
  - ↓ ब्रह्म एवं जगत में भेद नहीं
  - ◯ ← ब्रह्म, ← जगत
- वहदत उल शुहुद → विचारधारा
  - ↓ अलाउद्दीन सिम्नानी → विचारक
  - ↓ ब्रह्म एवं जगत में भेद
  - ◯ ब्रह्म ◯ जगत

बा = सहित
बे = रहित

सूफीवाद

- बाशरा
  - ↓ जो शरीयत को मानते हैं
  - ↓
    1. चिश्ती सिलसिला
    2. सुहरावर्दी "
    3. शत्तारी "
    4. फिरदौसी "
    5. कादिरी "
    6. महदवी "
    7. नक्शबन्दी "
- बेशरा
  - ↓ जो शरीयत को नहीं मानते
  - ↓
    1. सदा सुहागन
       ↓ सखी सम्प्रदाय से प्रभावित
    2. कलन्दर → नाथ संप्रदाय का प्रभाव

① <u>चिश्ती सिलसिला</u> :-

संस्थापक = अबु अब्दाल चिश्ती (चिश्ती गाँव के निवासी)

→ ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती - मो. गौरी के साथ भारत आये।

देग = गर्म पानी का बर्तन

* खानकाह = अजमेर
* या गरीब नवाज / ख्वाजा साहब नाम से प्रसिद्ध
* अकबर ने यहाँ देग दान में दिये।

→ हमीदुद्दीन नागौरी :-

* खानकाह = नागौर
* यह खेती का कार्य करते थे ।
* इल्तुतमिश ने इनके सम्मान में अतारकीन के दरवाजे का निर्माण करवाया ।
* इल्तुतमिश ने इन्हें शेख उल इस्लाम की उपाधि दी लेकिन इन्होंने अस्वीकार कर दी ।

→ कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी -

* खानकाह = दिल्ली
* कुतुबुद्दीन ऐबक ने इनके सम्मान में कुतुबमीनार का निर्माण करवाया।

→ बाबा फरीद -

* उपाधि = गंज ए शक्कर
* यह बलबन के दामाद थे ।
* पंजाबी भाषा के प्रथम कवि
* इनके भजन गुरु ग्रन्थ साहिब (सिक्ख धर्म की पवित्र पुस्तक) में मिलते हैं ।
* बाबा फरीद , कबीर , रैदास , दादू दयाल के भजनों का उल्लेख गुरू ग्रन्थ साहिब में किया गया है ।
* खानकाह = अजोधन (पंजाब , Pak.)
* मजार = पाकपाटन (पंजाब , Pak.)

→ निजामुद्दीन औलिया -

* खानकाह = दिल्ली
* यह अविवाहित थे ।
* उपाधि = महबुब ए इलाही
  सुल्तान उल औलिया
* इन्होंने योग को अपनाया था इसलिए सिद्धयोगी कहा जाता था ।
* ये 7 सुल्तानों के समकालीन थे ।
* अमीर हसन सिज्जी ने इनकी मलफुजात लिखी हैं ।
  ↓
  फवायद उल फवाद

Imp. बुरहानुद्दीन गरीब -

* प्रथम सूफी सन्त जो दक्षिण भारत गए एवं वहाँ सूफीवाद फैलाया।

→ नासिरुद्दीन दहलवी :-

* उपाधि = चिराग ए दहलवी / दिल्ली

→ गेसुदराज :-

* तैमूर के आक्रमण के समय दक्षिण भारत चले गये एवं गुलबर्गा को अपना केन्द्र बनाया।

* पुस्तक = मिरात उल आसरीन
↓
रेख्ता / हिन्दवी भाषा की प्रथम पुस्तक
* उर्दु के आरम्भिक स्वरूप को रेख्ता कहा जाता था।

शेख सलीम चिश्ती -

* खानकाह = फतेहपुर सीकरी

② <u>सुहरावर्दी सिलसिला</u> :-

संस्थापक = शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी

<u>बहाउद्दीन जकारिया</u> :-

* केन्द्र = मुल्तान
* यह राजनीति में हिस्सा लेते थे।
* इल्तुतमिश व कुबाचा के विवाद में इल्तुतमिश का समर्थन किया था
* इल्तुतमिश ने इन्हें "शेख उल इस्लाम" की उपाधि दी।
* इनकी खानकाह में फकीरों का प्रवेश वर्जित था।
* यह शान-शौकत से रहते थे।

जलालुद्दीन तबरीजी :-

* यह बंगाल चले गए एवं वहाँ सूफीवाद का प्रसार किया।

सुहरावर्दी

↓ शत्तारी सिलसिला → ↓ शाह अब्दुल शतार → ↓ इन्होंने योग को अपना लिया था।

↓ फिरदौसी सिलसिला → ↓ बदरुद्दीन समरकन्द

मो. गौस (शतारी सिलसिले के प्रमुख सन्त :-

* पुस्तक :-
  (i) खालिद उल मखजीन)
  (ii) जवाहर ए खमशाह

* तानसेन के गुरु

कादिरी सिलसिला :-

संस्थापक = अब्दुल कादिर जिलानी

मियां मो. मियां मीर :-

* इन्होंने हर मन्दिर (गोल्डन टेम्पल) की नींव रखी।
* यह रामदास जी एवं अर्जुनदेव जी [4th & 5th सिक्ख गुरु] के समकालीन थे।

मुल्ला बदख्शी :-

* यह दारा शिकोह के गुरु थे।

नक्शबन्दी सिलसिला :-

संस्थापक = बहाउद्दीन नक्शबन्दी
↓
* यह रहस्यमयी नक्शे बनाते थे।
* वहदत उल शुहुद विचारधारा को मानते थे।

ख्वाजा बकी बिल्लाह :-

* भारत में नक्शबन्दी सिलसिले के वास्तविक सँस्थापक

अहमद सरहिन्दी :-

* इन्होंने स्वयं को मुजद्दीद ए अलिफसानी घोषित किया।
* मुजद्दीद ए अलिफसानी = सुधारक
* यह अकबर की धार्मिक नीति के आलोचक थे।
* जहाँगीर ने इन्हें जेल में डलवा दिया।
* बाबर व औरंगजेब इस सिलसिले के अनुयायी थे।

महदवी सिलसिला :-

संस्थापक = सैय्यद मो. महदवी

* केन्द्र = जौनपुर
* शेख मुबारक, फैजी, अबुलफजल इस सिलसिले के अनुयायी थे।

ऋषि आन्दोलन :-

* शेख नुरुद्दीन
* इन्होंने कश्मीर में सुधारवादी आन्दोलन चलाया था।

भक्ति आन्दोलन (mains)

* इसका आरम्भ द० भारत में "पल्लव वंश" के समय हुआ।
* इसका आरम्भ "आलवार" व "नयनार" सन्तों ने किया।

आलवार :-

* भगवान विष्णु के अनुयायी
* यह 12 थे।
* आण्डाल - महिला आलवार सन्त
    * इसे द० भारत की मीराबाई कहा जाता है।
* कुलशेखर - यह केरल का राजा था।

नयनार :-

* यह भगवान शिव के अनुयायी थे।
* इनकी संख्या 63 थी।
* कुछ प्रमुख सन्त -
    (i) मणिक वाच्चगार
    (ii) तिरूज्ञान
    (iii) सुन्दरमूर्ति

v.v.I.
→ तेवरम :- नयनार सन्तों के भजनों का संकलन

बादरायण
↓
ब्रह्मसूत्र

शंकराचार्य	रामानुज	माद्दवा	निम्बार्क	वल्लभ
↓	↓	↓	↓	↓
अद्वैतवाद	विशिष्ट अद्वैतवाद	द्वैतवाद	द्वैत - अद्वैतवाद	शुद्ध अद्वैतवाद

शंकराचार्य :-

→ जन्म = कलाडि / कलादी (केरल)

→ दर्शन = अद्वैतवाद

→ संप्रदाय = स्मृति

→ शंकराचार्य ने ५ पीठों की स्थापना की।

ज्योतिषपीठ (बद्रीनाथ, UTK)

शारदा पीठ (द्वारिका, गुजरात)

गोवर्धन पीठ (पुरी, ओडिशा)

• कांची* (तमिलनाडु)

* जयेन्द्र सरस्वती

शृंगेरीपीठ (मैसूर, कर्नाटक)

रामानुजाचार्य :-

→ जन्म = श्री पेराम्बदुर

→ दर्शन = विशिष्ट अद्वैतवाद

→ मुख्यालय = श्री रंगम्

→ संप्रदाय = श्री

→ चोल शासक कुलोतुंग II ने भगवान विष्णु की मूर्ति को समुद्र में फिंकवा दिया।

→ रामानुजाचार्य ने इस मूर्ति को पुनः तिरुपति बालाजी में स्थापित करवाया तथा तिरुपति बालाजी को अपना मुख्यालय बनाया।

→ पीठ = गलताजी (जयपुर)

माध्वाचार्य :-

→ सम्प्रदाय = ब्रह्म

→ दर्शन = द्वैतवाद

निम्बार्काचार्य :-

→ सम्प्रदाय = सनकादिक

→ दर्शन = द्वैताद्वैतवाद

→ सलेमाबाद (अजमेर) में इनकी पीठ है।

वल्लभाचार्य :-

दर्शन = शुद्ध अद्वैतवाद

सम्प्रदाय = 1. रूद्र

2. पुष्टिमार्ग

→ कृष्णदेवराय के समकालीन थे।

→ वल्लभाचार्य के पुत्र विठ्ठलनाथ ने अष्टछाप मण्डली की स्थापना की।

→ यह भगवान कृष्ण को बालरूप में पूजते हैं।

→ पीठ = नाथद्वारा

रामानन्द :-

→ भक्ति आन्दोलन को उत्तर भारत में लाने का श्रेय इन्हें जाता है।

→ प्रथम सन्त जिन्होंने हिन्दी भाषा में उपदेश दिए।

→ इनके प्रमुख 12 शिष्य थे।

कबीर जी :-

→ यह बनारस के जुलाहा थे।

→ निडर सन्त के रूप में प्रसिद्ध

→ हिन्दू व मुसलमान दोनों इनके अनुयायी थे।

→ इन्होंने धार्मिक आडम्बरों, मूर्तिपूजा, अन्धविश्वासों, अवतारवाद, वर्ण व्यवस्था, जाति व्यवस्था, सामाजिक असमानता का विरोध किया।

→ वह समतामूलक समाज व हिन्दू-मुस्लिम एकता के समर्थक थे।

→ ब्रह्म को निर्गुण, निर्विशेष व निराकार बताया।

"एक कहूं तो है नहीं, दो कहूं तो गारी।
है जैसा तैसा रहे, कहै कबीर बेचारी॥"

→ पुस्तकें -
① बीजक
② साखी

→ सिकन्दर लोदी ने मगहर (UP) में इसकी हत्या कर दी।

<u>रैदास</u> :-

→ सम्प्रदाय = रायदासी
→ निर्गुण भक्ति के समर्थक
→ मीरा बाई के गुरु

<u>तुलसीदास जी</u> :-

→ सगुण भक्ति के समर्थक
→ पुस्तक = ★ रामचरितमानस
*. भाषा = अवधी

★ कवितावली
★ दोहावली
★ गीतावली
★ विनयपत्रिका

<u>सूरदास</u> :-

पुस्तक - सूरसागर
साहित्य लहरी
भ्रमरगीत

★ सूरदास, तुलसीदास व अकबर के समकालीन थे।

चैतन्य महाप्रभु :-

→ जन्म = नदिया (बंगाल)

→ बा. नाम = विश्वम्भर

→ इन्हें नीमाई भी कहा जाता है।

→ सम्प्रदाय = गौडीय

→ संकीर्तन प्रथा को लोकप्रिय किया।

शंकरदेव :-

→ यह आसाम के थे।

→ एकशरण सम्प्रदाय को चलाया।

→ इन्होंने शरण संवत चलाया।

→ इन्हें आसाम का चैतन्य महाप्रभु कहा जाता है।

महाराष्ट्र धर्म

→ इसका आरम्भ पंढरपुर (MH) से हुआ।

→ यह विठोबा (विठ्ठल → विष्णु) की पूजा करते हैं।

महाराष्ट्र धर्म

- वरकरी
  - ↓ कृष्ण के अनुयायी
    - ↓ ज्ञानेश्वर
    - एकनाथ
    - नामदेव
    - तुकाराम (शिवाजी के समकालीन)
      - ↓ शिवाजी ने इन्हें आर्थिक सहायता देने का प्रयास किया लेकिन इन्होंने मना कर दिया।
- धरकरी
  - ↓ राम के अनुयायी
    - ↓ समर्थ गुरु रामदास

गुरु नानक देव / सिख धर्म

- जन्म = 1469 AD (तलवन्डी → आधुनिक नाम = ननकाना साहिब)
- जन्म से खत्री (हिन्दू) थे ।
- इन्होंने धार्मिक आडम्बरों , अन्धविश्वास , कर्मकाण्ड , मूर्ति पूजा , अवतारवाद , वर्ण व्यवस्था , जाति व्यवस्था एवं सामाजिक असमानता का विरोध किया ।
- यह सामाजिक समानता के समर्थक थे ।
- ब्रह्म को निर्गुण , निराकार व निर्विशेष माना ।
- इन्होंने बगदाद , फारस, मक्का मदीना की यात्राएँ की ।
- इन्होंने मन्दिरों एवं मस्जिदों में उपदेश दिये ।
- इन्होंने हिन्दू व मुस्लिमों को सच्चा हिन्दू व सच्चा मुसलमान बनने की शिक्षा दी ।
- इन्होंने पंजाबी , संस्कृत व फारसी भाषा में उपदेश दिये ।

गुरु अंगददेव जी :-

- इन्होंने गुरुमुखी लिपि की रचना की ।
- गुरु ग्रन्थ साहिब गुरुमुखी लिपि में लिखा गया है ।
- इन्होंने लंगर व्यवस्था को नियमित किया ।

गुरु अमरदास जी :-

- इन पर पहले भागवत धर्म का प्रभाव था ।
- इन्होंने 22 गद्दियों की स्थापना की ।
- सती प्रथा पर रोक लगाई ।

गुरु रामदास जी :-

- अमृतसर शहर बसाया ।

गुरु अर्जुनदेव जी :-

→ इन्होंने गुरु ग्रन्थ साहिब का संकलन करवाया ।

→ इन्होंने हर मन्दिर (Golden Temple) का निर्माण करवाया।

→ शान-शौकत से रहना आरम्भ किया ।

→ सिखों से नियमित कर लेना आरम्भ किया ।

गुरु हरगोविन्द :-

→ इन्होंने मीरी-पीरी परम्परा आरम्भ की ।

→ सूफी सन्त के रूप में जाने जाते थे ।

→ मांस खाने की अनुमति प्रदान की ।

गुरु हरराय :-

→ तेग बहादुर को बाकल दे बाबा की उपाधि दी ।

गुरु हरकिशन,

गुरु तेगबहादुर :-

गुरु गोविन्द सिंह :-

नाम के आगे सिंह

→ जन्म = पटना

→ आनन्दपुर साहिब को अपना केन्द्र बनाया ।

→ 1699 - खालसा पन्थ की स्थापना

→ पाहुल पद्धति आरम्भ की ।

→ पंच कंकार/कांकर का सिद्धान्त दिया -

1. केश
2. कंघा
3. कृपाण/कटार
4. कड़ा
5. कच्छ

→ पुस्तक = • 10th पादशाह का ग्रन्थ
• जफरनामा → यह एक शिकायती पत्र था जो औरंगजेब को लिखा गया था।
→ भाषा = फारसी

→ गुरू गोविन्द सिंह ने गुरू ग्रन्थ साहिब को शाश्वत गुरू घोषित किया।

→ सिख सेना ने (39) चमकोर के युद्ध में विशाल मुगलसेना को पराजित किया।

→ नान्देड़ (MH) - गुरू गोविन्द सिंह की मृत्यु

भक्ति आन्दोलन का योगदान :-

① सन्तों ने धर्म की उदार एवं सरल व्याख्या की।

② सन्तों ने ब्राह्मणों की मध्यस्थता को अस्वीकार किया और भक्ति मार्ग पर बल दिया।

③ सन्तों ने धार्मिक आडम्बरों, अन्धविश्वास, कर्मकाण्ड, वर्ण व्यवस्था, जाति व्यवस्था, सामाजिक असमानता का विरोध किया।

④ कई सन्तों ने एकेश्वरवाद एवं निर्गुण भक्ति की अवधारणा पर बल दिया।

⑤ कई सन्तों ने मूर्तिपूजा एवं अवतारवाद का विरोध किया।

⑥ इन्होंने सामाजिक समानता का समर्थन किया।

⑦ ये हिन्दू-मुस्लिम एकता पर बल देते थे।

⑧ सन्तों ने स्थानीय भाषाओं में उपदेश दिये जिससे स्थानीय भाषाओं का विकास हुआ।

⑨ इन्होंने गुरू-शिष्य परम्परा व संगीत पर बल दिया जिससे संगीत की शैलियों का विकास हुआ।

भक्ति आन्दोलन व सूफीवाद के चरण :-

प्रथम-चरण -

धर्म की सरल एवं उदार व्याख्या

द्वितीय-चरण -

सामाजिक समानता पर बल दिया ।

तृतीय चरण -

हिन्दू - मुस्लिम संस्कृति के समन्वय पर बल दिया ।

सूफीवाद का महत्व एवं योगदान :-

① सूफी सन्तों ने इस्लाम की सरल व उदार व्याख्या की ।

② सूफी सन्तों ने इस्लाम की आत्मा एकेश्वरवाद तथा सामाजिक समानता पर बल दिया ।

③ सूफी सन्तों ने इस्लाम में व्याप्त धार्मिक आडम्बरों, कर्मकाण्डों, अन्धविश्वास एवं सामाजिक असमानता का विरोध किया ।

④ सूफी सन्तों ने उदार रूप से इस्लाम का प्रचार-प्रसार किया ।

⑤ सूफी सन्तों ने समां (संगीत) पर विशेष बल दिया जिससे कई गायन शैलियाँ जैसे- कव्वाली, तराना का विकास हुआ ।

⑥ सूफी सन्तों ने भी स्थानीय भाषाओं में उपदेश दिए जिससे स्थानीय भाषाओं का विकास हुआ ।

e.g. गेसुदराज — मिरात उल आसरीन (रेख्ता / हिन्दवी)

e.g. मलिक मो. जायसी - पद्मावत (अवधी / हिन्दी)

e.g. कुतुबन - मृगावती (")

e.g. मुल्ला दाऊद - चंदायन (")

⑦ सूफी सन्तों की उदार नीतियों का प्रभाव शासकों पर भी पड़ा जिससे उन्होंने उदार नीतियाँ अपनाईं।

मराठा

शिवाजी :-

जन्म = 1627 (शिवनेर दुर्ग) [पूना]

पिता = शाहजी भोंसले

* अहमदनगर की सेवा में थे।
* पूना इन्हें जागीर में प्राप्त था।

माता = जीजाबाई

→ शिवाजी के जीवन पर सर्वाधिक प्रभाव जीजाबाई का था।

→ राजनैतिक गुरु = दादा कोणदेव / कोण्डदेव

→ राजनीति की शिक्षा दादा कोणदेव से ग्रहण की।

→ प्रशासनिक अनुभव पूना से प्राप्त किये।

→ धार्मिक गुरु = समर्थ गुरु रामदास

→ 1646 : तोरण के किले को विजित किया।

→ रायगढ़ को अपनी राजधानी बनाया - 1656

→ 1659 : अफजल खान की हत्या

→ 1663 : मुगल गवर्नर शाइस्ता खाँ को पराजित किया

→ 1664 : शिवाजी ने सूरत पर आक्रमण किया व लूट लिया

→ 1665 : पुरन्दर की सन्धि

→ 1670 : सूरत पर आक्रमण

→ 1674 : राज्याभिषेक

* बनारस के प्रसिद्ध ब्राह्मण गंगा भट्ट को आमंत्रित किया गया था।
* शिवाजी ने छत्रपति, गोप्रतिपालक, ब्राह्मणप्रतिपालक, हिन्दूउद्धारक की उपाधि धारण की।
* शिवाजी का सम्बन्ध मेवाड़ के सिसोदिया गाँव से था।
* राज्याभिषेक के 12 दिन पश्चात जीजाबाई की मृत्यु हो गई।

→ शिवाजी ने दूसरा राज्याभिषेक तांत्रिक विधि से करवाया।

→ 1680 - शिवाजी की मृत्यु

→ शम्भाजी इस समय पन्हाला के किले में कैद थे।

<u>छत्रपति शम्भाजी</u> (1680-89) -

→ संगमेश्वर नामक स्थान पर मुगलसेना ने इन्हें पकड़ लिया।

<u>राजाराम</u> (1689-1700) -

→ <u>ताराबाई</u> (1700-07) -

<u>शिवाजी के अष्टप्रधान</u> :- 1674

① पेशवा ⇒ PM

② अमात्य / मजूमदार ⇒ वित्त मन्त्री

③ सुमन्त / दबीर ⇒ विदेश मंत्री

④ वाकियानवीस ⇒ गृह मन्त्री

⑤ शुरुनवीस / चीटनवीस ⇒ पत्राचार मन्त्री

⑥ सर ए नौबत ⇒ प्रधान सेनापति

⑦ पण्डित राव ⇒ धार्मिक मामलों का प्रमुख

⑧ न्यायाधीश

★ <u>अन्नो जी दत्तो</u> ने महाराष्ट्र (दक्कन) में भूराजस्व सुधार किये।

★ सरदेशमुखी - भू-राजस्व कर (1/10)

★ चौथ - पड़ोसी राज्यों से वसूला जाने वाला कर (1/4)

REET CLASSE'S

ONLINE CLASS